दैनिक
CIN-No-UT4999RJ2020PTC0679
UN NO-200022186
राजस्थान,दिल्ली,छत्तीसगढ़ से एकसाथ प्रकाशित
RNI NO. RAJHIN/2023/89729

मरुधर विशेष

Marudharvishesh@gmail.com
मो. 9653906665

पूर्व उपराष्ट्रपति शेखावत को पुष्पांजलि अर्पित

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा गुरुवार सुबह विद्याधर नगर स्थित पूर्व उपराष्ट्रपति स्व. भैरोंसिंह शेखावत के स्मृति स्थल पहुंचे। उन्होंने शेखावत स्मृति स्थल पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्व उपराष्ट्रपति का राजस्थान ही नहीं बल्कि पूरे देश के विकास में अहम योगदान रहा। उन्होंने पं. दीनदयाल उपाध्याय तथा डॉ. बी.आर. अम्बेडकर के मूल्यों के अनुरूप कार्य किए। स्व. शेखावत ने गरीब, किसान और पिछड़ा वर्ग के लिए अंत्योदय जैसी महती योजना राजस्थान में लागू की, जो कि बाद में पूरे देश में लागू की गई।

तालाब में डूबे 4 युवक-युवती, मौत

तालाब में नहाने उतरी थी लड़की, पैर फिसला; बचाने के चक्कर में साथी भी डूब गए

एजेंसी

जयपुर। जयपुर में गुरुवार दोपहर डूबने से 3 युवतियों समेत चार लोगों की मौत हो गई। चारों युवक-युवतियां फार्म के पोंड में नहाने गए थे। नहाते समय एक युवती का पैर फिसल गया। उसे बचाने के चक्कर में तीनों साथी भी डूब गए।

एसएचओ (दूदू) राममिलन ने बताया- हादसे में दूदू के काकड़ियां की ढाणी निवासी कमलेशी देवी (18), विनोद कुमार (20), कुमारी रामेश्वरी (18) और हेमा बावरिया (18) की मौत हो गई। चारों युवक-युवतियां ढाणी में रहने वाले अन्य साथियों के साथ बकरियां चराने घर से निकले थे। बकरी चराते हुए ढाणी में ही एक फार्म में बने पोंड पर जा पहुंचे।

दोपहर करीब 12 बजे कमलेशी नहाने के लिए पानी में उतर गई। नहाते समय पैर फिसलने से वह डूबने लगी। कमलेशी को डूबता देखकर विनोद, रामेश्वरी और हेमा भी बचाने के लिए पानी में उतर गए। बचाने के प्रयास में तीनों भी डूब गए। उनके साथियों ने परिजनों को सूचना दी।

तीन घंटे में बाहर निकाले शव

हादसे की सूचना पर डूबने वाले युवक-युवती के परिजन मौके पर पहुंचे। पुलिस कंट्रोल रूम की सूचना पर दूदू थाना पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। करीब तीन घंटे की मशक्कत के बाद चारों युवक-युवती के शव बाहर निकाले गए। पुलिस ने पोस्टमॉर्टम के लिए शवों को दूदू हॉस्पिटल की मॉर्च्युरी भिजवाया।

हाईकोर्ट की चेतावनी

एसआई भर्ती पर 26 मई तक फैसला करें, नहीं तो परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं

सरकार ने कहा- ऑपरेशन सिंदूर के कारण हुई देरी

एजेंसी

जयपुर। एसआई भर्ती-2021 पेपर लीक मामले पर गुरुवार को हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। जस्टिस समीर जैन ने राज्य सरकार को चेतावनी देते हुए कहा- यदि 26 मई तक निर्णय नहीं हुआ तो प्रक्रिया में शामिल लोगों को परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। इससे पहले राज्य सरकार के अतिरिक्त महाधिवक्ता विज्ञान शाह ने कोर्ट में प्रार्थना पत्र पेश किया। इसमें बताया कि सरकार ने भर्ती पर निर्णय के लिए 13 मई को सब-कमेटी की मीटिंग बुलाई थी। ऑपरेशन सिंदूर के चलते कई मंत्री बैठक में शामिल नहीं हो सके। वहीं, कमेटी के एक मंत्री अस्वस्थ होने के चलते नहीं पहुंचे। अब सरकार ने 21 मई को सब कमेटी की बैठक रखी है। इसमें जो भी फैसला होगा। कोर्ट को अवगत कराया जाएगा। पिछली सुनवाई में हाईकोर्ट में अतिरिक्त महाधिवक्ता ने कहा था कि सरकार अभी किसी भी फैसले पर नहीं पहुंची है। इस पर जस्टिस समीर जैन की अदालत ने कहा था कि कोर्ट सरकार को एक अंतिम मौका दे रही है। सरकार 15 मई तक अपने फैसले से अवगत कराए।

सीएम भजनलाल को जान से मारने की धमकी

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और खेल परिषद के अध्यक्ष नीरज के पवन को जान से मारने की धमकी मिली है। सीएम और खेल परिषद की आईडी पर मेल कर यह धमकी दी गई है। मेल में लिखा है- रेप पीड़िता के मामले में अगर पुलिस ने कुछ नहीं किया तो हम सीएम का मर्डर कर सकते हैं। उनको काट देंगे। नीरज के पवन को जान से मारने की धमकी देते हुए लिखा है- टुकड़े कर काले सूटकेस में पैक कर देंगे। इसके साथ एसएमएस स्टेडियम को भी उड़ाने की धमकी दी गई। जो पिछले 8 दिनों में छठी धमकी है।

मेल में यह भी कहा गया कि अगर पुलिस हमें पकड़ती है तो हम खुद को मानसिक रूप से बीमार बताकर बच निकलेंगे। हमारे पास पहले से मानसिक बीमारी का प्रमाणपत्र भी मौजूद है। पुलिस सो रही है, कुछ नहीं कर सकती।

उपराष्ट्रपति धनखड़ बोले-दुनिया ने देखा आकाश-ब्रह्मोस का क्या मतलब

अब दुनिया ने उस ताकत को पहचाना, पीएम के नेतृत्व में कूटनीतिक लड़ाई भी लड़ी

एजेंसी

जयपुर। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ गुरुवार को पूर्व उप राष्ट्रपति भैरोंसिंह शेखावत की स्मृति में बनी लाइब्रेरी का उद्घाटन करने जयपुर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने कहा- भारत ने इस बार सिर्फ लड़ाई नहीं लड़ी है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में एक बहुत बड़ी कूटनीतिक लड़ाई भी लड़ी है। इसे जीता भी है। जल समझौते को लेकर दुनिया को बता दिया गया कि इस पर कोई पुनर्विचार नहीं होगा। जब तक हालात सामान्य नहीं होंगे। इतनी बड़ी कार्रवाई न तो सोची गई थी। अर्थव्यवस्था में भी दुनिया भारत का लोहा मान रही है। आज हम दुनिया की चौथी महाशक्ति है। जल्द ही तीसरी महाशक्ति बनने जा रहे हैं।

प्रधानमंत्री को जब लगा भारत की अस्मिता को ललकारा गया है। उन्होंने बिहार की धरती से दुनिया को संदेश दिया और उस संदेश पर पूरी तरह खरे उतरे। दुनिया ने देखा आकाश का क्या मतलब है, ब्रह्मोस का क्या मतलब है। अब दुनिया ने उस ताकत को पहचाना है।

उन्होंने कहा- जब भैरोंसिंह शेखावत उपराष्ट्रपति थे। तब उन्होंने सभी संसद सदस्यों को इस बात के लिए बाधित किया था कि वह अपनी संपत्ति की जानकारी सार्वजनिक करें। उनका परिचय किसी पद से नहीं हो सकता। मुझे लगता है शायद बहुत कम लोगों को यह पता होगा कि भैरोंसिंह शेखावत विधानसभा के साथ राज्यसभा के सदस्य भी रहे थे। वह भी राजस्थान से नहीं बल्कि, मध्यप्रदेश से राज्यसभा सदस्य थे।

धनखड़ ने कहा- जब मैं अपने जीवन में अनिश्चय की स्थिति में था। तब भैरोंसिंह जी ने मुझे झुंझुनूं से चुनाव लड़ने के लिए कहा था। जब मैं हताश हो गया था कि शायद मंत्रिपरिषद में मेरा नाम नहीं आएगा। तब भी उन्होंने मुझे बहुत बड़ी ताकत दी थी। उसके बाद कोई ऐसा साल नहीं गया, जब मैं उनके दर्शन करने नहीं गया हूं। मैं हर साल, हर महीने उनके पास जाता और कुछ ना कुछ सीख कर आता था। सबसे बड़ी सीख उनकी पुस्तकों में थी।

उन्होंने मेरी उंगली पकड़ मेरा मार्गदर्शन किया

भैरोंसिंह शेखावत एक वटवृक्ष थे, जिन्होंने बहुत सारे लोगों को नेता बनाया है। बतौर उपराष्ट्रपति जब मैं देश के किसी कोने में जाता हूं। तब मैं लोगों से बड़े गर्व के कहता हूं। मेरी उंगली पकड़ी, मेरा हाथ पकड़ा, मुझे मार्गदर्शन दिया। मुझे राजनीति का ज्ञान दिया। जनता की सेवा के लिए प्रेरित किया। आज मैं उसी स्थान पर पहुंच गया हूं। इसलिए आज मैंने फैसला किया है कि संविधान सभा ने जिस संविधान पर हिंदी और अंग्रेजी में दस्तखत किए थे। उसकी एक-एक आधिकारिक प्रतिलिपि में इस पुस्तकालय को भेंट कर रहा हूं। जब संविधान के 75 साल हुए तब एक बहुत महत्वपूर्ण कार्यक्रम हुआ था, जिनकी किताबें जारी की गई थी। उसकी प्रतिलिपि भी मैं यहां भेंट कर रहा हूं।

शेखावत का कोई दुश्मन नहीं था

उन्होंने कहा- भैरोंसिंह शेखावत के अलावा शायद ही कोई व्यक्ति भारत में ऐसा होगा, जिसका लोगों से इतना ज्यादा मिलना जुलना लगा रहता था। उसके बावजूद वह हर व्यक्ति से बिल्कुल सटीक बात करते थे। भैरोंसिंह शेखावत राजनीति के अजातशत्रु थे। दुनिया के किसी देश में प्रदेश में उनका कोई दुश्मन नहीं मिलेगा। उन्होंने राजनीति में एक बात को परिभाषित किया था की राजनीति में कोई दुश्मन नहीं होता है। आज हर दिल के नेतृत्व को यह सीखने की जरूरत है।

समय से पहले आ गई थी उनके पास तकनीक

जगदीप धनखड़ ने कहा- यहां बैठे राजेंद्र राठौड़ भी इस बात के साक्षी हैं। कब किस अखबार में क्या छपा, किसके बारे में क्या छपा। उनके पास इस बारे में भी बहुत बड़ा खजाना था। उस समय कोई तकनीकी युग नहीं था। लेकिन उनकी कार्यशैली ऐसी थी कि मानव तकनीक उनके पास समय से पहले ही आ गई हो।

प्रतिपक्ष के लिए उनका दिल पसीजता था

5 साल तक राजस्थान की विधानसभा में वह मुख्यमंत्री और मैं प्रतिपक्ष का विधायक था। तब भी उनका दिल प्रतिपक्ष के लिए पसीजता था। तब प्रतिपक्ष के हर सदस्यों को यह अनुभव था कि मुख्यमंत्री हमारा गार्जन है। हम कोई भी बात कहेंगे तो उसका निर्णय सकारात्मक तरीके से होगा, तब सभी को यह विश्वास था।

भारत-पाकिस्तान सीजफायर पर 5 दिन बाद अमेरिकी राष्ट्रपति का यू-टर्न

पहले कहा था युद्धविराम कराया, अब बोले- मैंने सिर्फ मदद की

एजेंसी

दोहा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प 5 दिन बाद भारत-पाकिस्तान के बीच सीजफायर कराने के अपने बयान से पलट गए हैं। उन्होंने गुरुवार को कहा कि मैंने दोनों देशों के बीच मध्यस्थता नहीं कराई, लेकिन मैंने मदद की है।

ट्रम्प ने कहा, मैं ये नहीं कहता कि ये मैंने किया, लेकिन ये पक्का है कि पिछले हफ्ते भारत-पाकिस्तान के बीच जो हुआ, मैंने उसे सेटल करने में मदद की। भारत-पाकिस्तान के बीच और भी भयावह हमले हो सकते थे। दोनों देशों ने अचानक मिसाइल दागनी शुरू कर दी, लेकिन हमने सब सेटल कर दिया।

ट्रम्प ने 10 मई को दोनों देशों के बीच मध्यस्थता का ऐलान किया था। उन्होंने कहा था, मुझे यह ऐलान करते हुए खुशी हो रही है कि अमेरिका की मध्यस्थता में एक लंबी बातचीत के बाद भारत और पाकिस्तान पूर्ण और तत्काल युद्धविराम पर सहमत हो गए हैं। दोनों देशों को समझदारी दिखाने के लिए बधाई।

ट्रम्प ने कहा मुझे उम्मीद है कि मैं यहां से बाहर नहीं निकलता और दो दिन बाद पता चलता कि मामला सुलझा नहीं है, लेकिन मामला सुलझ गया। मैंने दोनों से व्यापार को लेकर बात की। मैंने कहा कि युद्ध के बजाय व्यापार करें। पाकिस्तान बहुत खुश था, भारत बहुत खुश था। मुझे लगता है कि वे सही रास्ते पर हैं।उन्होंने कहा, वे (भारत-पाकिस्तान) बीते 1000 साल से लड़ रहे हैं। मैंने कहा कि मैं समझौता करा सकता हूं। और मैंने समझौता करा दिया। मैंने कहा कि मुझे इसे निपटाने दो। चलो, उन सभी को एक साथ लाते हैं। आप एक हजार सालों से लड़ रहे हैं और कितना लड़ते रहेंगे। मैं समझौते को लेकर आश्वस्त नहीं था। ये बहुत मुश्किल था। वे लंबे समय से लड़ रहे थे। यह वास्तव में नियंत्रण से बाहर होने जा रहा था।

ट्रम्प 84 करोड़ के इनामी आतंकी रहे अल-शरा से मिले

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने सीरिया पर लगाए गए सभी अमेरिकी प्रतिबंधों को खत्म करने का आदेश दिया है। ट्रम्प ने कहा कि यह फैसला सीरिया को दोबारा तरक्की करने का मौका देगा। मंगलवार को इस आदेश के अगले ही दिन ट्रम्प ने सऊदी अरब की राजधानी रियाद में सीरियाई राष्ट्रपति अहमद अल-शरा से मुलाकात की। कभी टॉप मोस्ट वांटेड आतंकी रह चुके अल-शरा से ट्रम्प की मुलाकात की चर्चा पूरी दुनिया में हो रही है। अहमद अल-शरा ने 2011 में सीरिया में कई आत्मघाती हमले कराए थे। अमेरिका ने उस पर 84 करोड़ रुपएका इनाम रखा हुआ था।

पाकिस्तान का साथ देने वालों पर फूटा भारत का गुस्सा

तुर्किये की कंपनी का सिक्योरिटी क्लियरेंस रद्द

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत के खिलाफ पाकिस्तान को चीन और तुर्किये ने हथियार और ड्रोन दिए थे। अब भारत ने गुरुवार को तुर्किये की कंपनी सेलेबी एयरपोर्ट सर्विस का सिक्योरिटी क्लियरेंस रद्द कर दिया है। सेलेबी, दिल्ली, मुंबई, कोचीन, कन्नूर, बेंगलुरु, हैदराबाद और गोवा में ग्राउंड हैंडलिंग सर्विस देती थी।

तीन आतंकियों को ड्रोन से खोजकर मारा

इस पहले, जम्मू-कश्मीर के त्राल में सुरक्षाबलों ने 3 आतंकियों को मार गिराया। तीनों आतंकी एक मकान में छिपे थे। सुरक्षाबलों ने इन्हें ड्रोन की मदद से ढूंढ निकाला और एनकाउंटर कर दिया। त्राल में मारे गए एक आतंकी आमिर नजीर वानी का आखिरी वीडियो सामने आया। इसमें वह अपनी मां से बात कर रहा है। मां ने कश्मीरी में आमिर से कहा- बेटा, सरेंडर कर दो। जम्मू-कश्मीर में पिछले तीन दिनों में यह दूसरा एनकाउंटर था।

आतंकवाद रुकने तक सिंधु समझौता रद्द रहेगा : जयशंकर

पाकिस्तान के पास आतंकवादियों की लिस्ट, इन आतंकियों को हमें सौंपे

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने गुरुवार को कहा कि सिंधु जल संधि तब तक स्थगित रहेगी जब तक पाकिस्तान स्थायी तौर सीमा पार आतंकवाद खत्म नहीं करता। होंडुरास के दूतावास के उद्घाटन के अवसर पर विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि पाकिस्तान के पास आतंकवादियों की एक लिस्ट है, इन आतंकियों को उसे हमें सौंपना होगा।

इसके साथ ही उसे आतंकियों के ठिकानों को बंद करना होगा। वे जानते हैं कि क्या करना है। हम उनके साथ आतंकवाद के बारे में चर्चा करने के लिए तैयार हैं।

जयशंकर ने जोर देकर कहा कि कश्मीर और पाकिस्तान से जुड़े मामलों में तीसरे पक्ष के हस्तक्षेप को लेकर भारत की पॉलिसी में कोई बदलाव नहीं आया है। पाकिस्तान से हमारी बातचीत पूरी तरह से द्विपक्षीय होगी।

सीजफायर को लेकर जयशंकर ने कहा- यह साफ है कि गोलीबारी बंद करने की मांग कौन कर रहा था। हमने आतंकी ढांचे को नष्ट करने के जो टारगेट तय किए थे, उन्हें हासिल कर लिया है।

पाकिस्तान को पीओके खाली करना होगा

पाकिस्तान के कश्मीर पर चर्चा करने के प्रस्ताव के जवाब में विदेश मंत्री ने कहा कि कश्मीर पर चर्चा के लिए केवल एक ही बात बची है। वह है पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में अवैध रूप से कब्जाए गए भारतीय इलाके को खाली करना। हम इस चर्चा के लिए तैयार हैं।

राजस्थान विश्वविद्यालय का दीक्षांत समारोह आयोजित

नैतिक मूल्य भारतीय शिक्षा का मूल आधार, नई शिक्षा नीति इसी की संवाहक : बागडे

एजेंसी

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि नैतिक मूल्य भारतीय संस्कृति का प्रमुख आधार रहा है। इन मूल्यों से दूर करने के लिए अंग्रेज शासन में लॉर्ड मैकाले ने हमारे यहां अंग्रेजी शिक्षा पद्धति लागू की। इससे राष्ट्रवासियों में गुलाम मानसिकता विकसित हुई। उन्होंने कहा कि विनोबा भावे ने कहा था कि आजादी मिलने के बाद जिस तरह से देश का झण्डा बदला गया वैसे ही यहां की शिक्षा नीति बदलनी चाहिए थी। पर ऐसा नहीं हुआ। इसी आलोक में अब एक हजार शिक्षाविदों ने मिलकर देश में नई शिक्षा नीति तैयार की है। यह पूरी तरह से भारतीयता से ओतप्रोत नैतिक मूल्यों की संवाहक है। इसमें भारतीय संस्कृति और उदात्त जीवन मूल्यों पर ही जोर है। शिक्षकों को चाहिए कि वे इस नीति के आलोक में विद्यार्थियों को शिक्षित व दीक्षित करें।

राज्यपाल बागडे गुरुवार को राजस्थान विश्वविद्यालय के 34 वें दीक्षांत समारोह में संबोधित कर रहे थे।

राज्यपाल ने समारोह में स्वर्ण पदक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों में 75 प्रतिशत से अधिक संख्या बालिकाओं की रहने पर प्रसन्नता जताते हुए कहा कि अब लड़कियां आधी आबादी के गणित को पार कर उपलब्धियों का इतिहास रच रही है। उन्होंने महर्षि अरविंद की चर्चा करते हुए कहा कि अंतर मन को जागृत करने पर जोर देते हुए अरविंद ने बच्चों की बौद्धिक क्षमता बढ़ाए जाने की बात कही थी। पंडित नेहरू ने डिस्कवरी ऑफ इंडिया में इसका उल्लेख किया है। हमारी नई शिक्षा नीति इसी दृष्टि की पूर्ति करने वाली है।

उन्होंने कहा कि भारत ने ही विश्व को सबसे पहले जीरो का यानी दशमलव का ज्ञान दिया। इसी से विश्व आगे बढ़ा। भास्काराचार्य और उनकी पुत्री लीलावती का संदर्भ देते हुए उन्होंने कहा कि पूरे विश्व को गुरूत्वाकर्षण का वास्तविक ज्ञान भारत की देन है। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद शिकागो में विश्व धर्म सम्मेलन में जब गए तो मात्र 30 साल के थे। इस आयु में उन्होंने पूरे विश्व में भारत की धर्म ध्वजा फहराई। झांसी की रानी ने 20 वर्ष की आयु में अंग्रेजों के खिलाफ युद्ध लड़ा। यह महान चरित्र हमारे विद्यार्थियों लिए प्रेरणास्पद है। उन्होंने डिग्री और पदक धारकों को अर्जित शिक्षा का राष्ट्र के उत्थान में उपयोग करने का आह्वान किया।

विधानसभा अध्यक्ष प्रो. वासुदेव देवनानी ने कहा कि राजस्थान में विश्वविद्यालय में कुलपति के स्थान पर अब कुलगुरु की परंपरा के आदेश जारी किए गए हैं। यह बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि कुलगुरु शब्द में ही शिक्षा का गौरव निहित है। श्री देवनानी ने कहा है कि हमारी भारतीय ज्ञान प्रणाली आज भी प्रासंगिक है। प्राचीन काल से चली आ रही इस समृद्ध और व्यापक ज्ञान प्रणाली ने शिक्षा, विज्ञान, प्रौद्योगिकी और दर्शन जैसे विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक योगदान किया है। उन्होंने युवाओं का आव्हान किया कि वे शील संस्कार और शालीनता के साथ स्वावलम्बी बने।

देवनानी ने कहा कि प्राचीन भारत में शिक्षा का उद्देश्य केवल ज्ञान प्राप्त करना नहीं था बल्कि स्वयं की पूर्ण प्राप्ति के लिए था। तक्षशिला, नालंदा, विक्रमशिला, वल्लभी जैसे प्राचीन भारत के विश्वस्तरीय संस्थानों ने बहु-विषयक शिक्षण और अनुसंधान के उच्चतम मानक स्थापित किए। चरक, सुश्रुत, आर्यभट्ट जैसे अनगिनत महान विद्धवानों ने विभिन्न क्षेत्रों में विश्व को महत्वपूर्ण योगदान दिया। उन्होंने कहा कि समृद्ध विरासत को भावी पीढियों के लिए पोषित और संरक्षित करना होगा ताकि शोध और संवर्धन में नये प्रयोग किये जा सके। श्री देवनानी ने कहा कि भारत विश्व गुरु था, है और रहेगा।

उप मुख्यमंत्री एवं उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने विकसित भारत के लिए उच्च शिक्षा की महती भूमिका बताते हुए इसके लिए सभी को मिलकर कार्य करने का आह्वान किया। उत्तरप्रदेश के राज्यसभा सांसद श्री अरुण सिंह ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारतीय सेना द्वारा की गई कार्यवाही की चर्चा करते हुए कहा कि यह समर्थ, सशक्त नया भारत है।

कुलगुरु डॉ. अल्पना कटेजा ने विश्वविद्यालय का प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। इससे पहले राज्यपाल ने विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को पदक और उपाधियां प्रदान की।

राजस्थान में भीषण गर्मी, जयपुर में सड़क पर पानी छिड़का

जयपुर। राजस्थान में अब भीषण गर्मी पड़ने लगी है। श्रीगंगानगर, बीकानेर, चूरू, बाड़मेर और जैसलमेर में गुरुवार को अधिकतम तापमान 44 डिग्री से ऊपर पहुंच गया। श्रीगंगानगर में 45.8 डिग्री तापमान के साथ आज इस सीजन का सबसे गर्म दिन रहा। श्रीगंगानगर के अलावा चूरू, बीकानेर, जोधपुर, जैसलमेर, बाड़मेर, जयपुर में भी तापमान 1 से 2 डिग्री तक चढ़ गया। जयपुर में अधिकतम तापमान 42.4 डिग्री दर्ज किया गया।

दुनिया को समझना होगा, भारत का 'न्यू नॉर्मल'

डॉ. आशीष वशिष्ठ

ऑपरेशन सिंदूर का उद्देश्य ना राष्ट्र पर आधिपत्य की कामना थी, ना किसी सरकार गिराने या परिवर्तन की। एकमात्र बात विश्व को बतानी थी कि यदि भारत पर आक्रमण हुआ, तो उत्तर अवश्य मिलेगा और ऐसा मिलेगा कि पुनः सोचने पर विवश कर देगा। अब भारत की लड़ाई का ढंग परिवर्तित हो गया है। यह केवल अस्त्र–शस्त्र नहीं दिखाता, यह बताता है कि कब, कहां और कैसे उनका प्रयोग करना है। यह एक नया भारत है- जो केवल निनाद नहीं उठाता, अब प्रभाव और धमक भी दिखाता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुद्ध पूर्णिमा दिन राष्ट्र के नाम अपने 22 मिनट के संबोधन में पाकिस्तान को स्पष्टतः चेता दिया कि अगर हमारे भारत की ओर आँख उठाकर भी देखा तो वो हश्र होगा कि दुनिया याद करेगी। राष्ट्र के नाम संदेश के अगले दिन पीएम ने आदमपुर एयरबेस पहुंचकर जवानों का उत्साह और मनोबल बढ़ाया। आदमपुर में प्रधानमंत्री के साथ समवेत स्वर में जब जवानों ने भारत माता की जय का उद्घोष किया तो उस निनाद की गूंज और प्रतिध्वनि पाकिस्तान ही नहीं अखिल विश्व ने स्पष्ट तौर पर सुनी।

पीएम ने अपने संबोधन में जितनी स्पष्टवादिता, दृढ़ता और विश्वास के साथ सधे और नपे–तुले शब्दों में अपनी बात विश्व के समक्ष रखी है, ऐसा साहस उनका कोई पूर्ववर्ती दिखा नही सका। पाकिस्तान के साथ अब तक हुए चार युद्ध, बालाकोट और उरी स्ट्राइक में उसे इतने गहरे घाव नहीं लगे, जितने ऑपरेशन सिंदूर ने उसे दिये। अपने स्वभाव से विवश पाकिस्तान पहलगाम आतंकी घटना के बाद इसी सोच के साथ रहा होगा, भारत प्रत्युत्तर में अधिक से अधिक एयर स्ट्राइक या उरी जैसा आक्रमण करेगा। लेकिन उसके अनुमान और विचार धरे के धरे रह गए। और भारत ने जो विध्वंस ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से मचाया, उसकी कल्पना भी आतंकियों और उनके जन्मदाताओं एवं शरणदाताओं की कल्पना से भी परे थी।

भारत ने लड़ाई के मोर्चे पर ही नहीं, बल्कि सिंधु जल संधि को स्थगित करने जैसा ऐतिहासिक और साहसी कदम भी उठाया। 1965, 1971 और 1999 कारगिल युद्ध और तमाम छोटी–बड़ी आतंकी घटनाओं में पाकिस्तान की स्पष्ट भूमिका के उपरांत सिंधु जल संधि स्थगित करने का साहस भारत दिखा नहीं पाया। बालाकोट और उसी स्ट्राइक, जम्मू कश्मीर में धारा 370 को खत्म करने जैसे बड़े कदम उठाने के बाद भी पाकिस्तान भारत को हल्के में लेता रहा। वास्तव में त्रुटि पाकिस्तान की नहीं, हमारी ही रही। हमारे देश के भीतर एक ऐसी मंडली हैं, जिनके हृदय में भारत से अधिक पाकिस्तान के लिये प्रेम, पक्षपात और दया भावना उछाल मारती है। यही मंडली हर आतंकी घटना के बाद भारत पाकिस्तान के विरुद्ध कड़े कदम उठाने का प्रपंच और स्वांग रचती है। प्रोपेगेंडा करने और नैरेटिव गढ़ने में इस मंडली को महारत प्राप्त है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद भी ये मंडली सक्रिय हो गई थी। वो अलग बात है कि इस बार यह अपना एजेंडा चलाने में सफल नहीं हुई। वहीं पाकिस्तान को सख्त सबक सिखाने की बजाय जुबानी जमा खर्च ज्यादा करने की जो परंपरा नेहरू–इंदिरा के शासन में फली फूली,

2014 में मोदी सरकार के गठन से पूर्व तक भारत उसी नीति का सिर झुकाकर अनुसरण करता रहा।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद भी पाकिस्तान को प्रत्युत्तर में एयर स्ट्राइक से अधिक की उम्मीद नहीं थी। उसे लग रहा था भारत की सत्ता संभालने वालों में बड़े, प्रभावशाली और कठोर निर्णय लेने का राजनीतिक साहस नहीं है। लेकिन पाकिस्तान पता नहीं यह कैसे भूल गया कि पीएम मोदी खतरे उठाने और साहसी निर्णय लेने के लिए जाने जाते हैं। उनकी प्रसिद्धि, साख और लोकप्रियता की यूएसपी जोखिम उठाना ही तो है। पीएम मोदी की दृढ राजनीतिक इच्छा शक्ति का समर्थन पाकर हमारे वीर जवानों ने ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से भारत ने पाकिस्तान को उदाहरण के साथ अच्छे से समझा दिया है कि अब खेल बदल चुका है। खेल के खिलाड़ी बदल चुके हैं। भारत की सत्ता जिनके हाथों में हैं, उनका नारा नेशन फर्स्ट का है।

ऑपरेशन सिंदूर के रूप में भारत ने न केवल आतंक के पोषक और जनक पाकिस्तान को करारा उत्तर दिया, बल्कि एक नया सैन्य और रणनीतिक सिद्धांत स्थापित कर दिया। 7 से 10 मई के बीच चार दिनों तक चले इस सीमित, लेकिन तीव्र सैन्य अभियान ने न केवल पाकिस्तान को सैन्य रूप से झकझोर कर रख दिया, बल्कि वैश्विक मंच पर भारत की साख, क्षमता और इच्छाशक्ति का ऐसा प्रदर्शन किया जो दशकों में पहली बार देखा गया। ऑपरेशन सिंदूर से भारत ने यह स्पष्ट कर दिया कि आतंक के विरूद्ध अब वह चुप नहीं बैठेगा, घर के भीतर घुसकर मारेगा।

पहलगाम घटना के बाद भारत ने बातें नहीं की, डोजियर सौंपने की तैयार नहीं की, सीधे घर में घुसकर मारा, सीधे एक्शन लिया। पाकिस्तान के अंदर घुसकर 15 से अधिक आतंकियों और सेना से जुड़े ठिकानों को नष्ट भ्रष्ट कर दिया। भारत ने केवल आतंकी ठिकानों पर नहीं, उनके ड्रोन कंट्रोल सेंटर और एयरबेस तक को निशाना बनाया। ये दिखाने के लिए कि अगर आवश्यकता पड़ी, तो भारत सीधे उनके सीने तक पहुंच सकता है। ऑपरेशन सिंदूर का उद्देश्य बहुत स्पष्ट था- आतंक का ढांचा तोड़ना, अपनी सैन्य ताकत दिखाना, शत्रु को पुनः सोचने के लिए विवश करना और विश्व को यह बताना कि यह परिवर्तित भारत है। और यह परिवर्तित भारत अब नई सुरक्षा नीति पर चल रहा है।

यह बदला हुआ भारत है, भारत के इस बदले हुए मिजाज और कड़े निर्णय लेने के साहस को पाकिस्तान समझने से चूक गया। जिसका परिणाम अखिल विश्व के समक्ष है। भारत ने घर में घुसकर जब चाहा, जहां चाहा, वहां हमला किया। आतंकी खत्म किये, आतंक के ठिकाने ध्वस्त किये और पाकिस्तान के सैन्य हमलों को अपाहिज और पंगु बना डाला। भारतीय सेना और हमारे डिफेंस सिस्टम की श्रेष्ठता और सटीकता ने पाकिस्तान ही नहीं उसके सहयोगियों और हितैषी अमेरिका, चीन और तुर्की के जेट फाइटर, ड्रोन्स, एयर डिफेंस सिस्टम और आयुध की निम्न गुणवत्ता को अनावृत कर डाला।

पाकिस्तान में फलने फूलने वाले आतंकियों को कड़ी सीख देने के लिए अच्छी तरह चिंतन–मंथन के बाद ऑपरेशन सिंदूर संचालित हुआ। इसे स्वैच्छिक युद्ध में परिवर्तित नहीं होने दिया गया, लेकिन आतंक को कठोर उत्तर भी दे दिया गया। भारत ने ये दिखा दिया कि अब युद्ध का अर्थ केवल बम-विस्फोट और सीमा लांघना नहीं होता। अब लड़ाई सोच-समझकर, सीमित परिधि में और स्पष्ट उद्देश्य के साथ लड़ी जाती है।

ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम ने विश्व समुदाय को स्पष्ट तौर पर बता दिया है कि अब हम किसी और के आश्रित नहीं है। ना अमेरिका की ओर देखा, ना रूस से पूछा और ना ही संयुक्त राष्ट्र से कोई सहायता मांगी। जो करना था, स्वयं उसकी कार्य योजना बनाई, और स्वयं ही उसे धरती पर उतारा। ये वही भारत है जो कभी हमलों के बाद बयान देता था और अंतरराष्ट्रीय सहायता की प्रतीक्षा करता था। लेकिन इस बार भारत ने ये दिखा दिया कि अब हम अपने निर्णय स्वयं लेते हैं और अपनी लड़ाई स्वयं अपने सामर्थ्य से लड़ते हैं। यह भारत की रणनीतिक आत्मनिर्भरता का स्पष्ट संकेत है, यानी अब हम दूसरों की सहमति या सहायता पर नहीं, अपनी सोच, शक्ति, सामर्थ्य और साधनों पर विश्वास करते हैं।

ऑपरेशन सिंदूर का उद्देश्य ना राष्ट्र पर आधिपत्य की कामना थी, ना किसी सरकार गिराने या परिवर्तन की। एकमात्र बात विश्व को बतानी थी कि यदि भारत पर आक्रमण हुआ, तो उत्तर अवश्य मिलेगा और ऐसा मिलेगा कि पुनः सोचने पर विवश कर देगा। अब भारत की लड़ाई का ढंग परिवर्तित हो गया है। यह केवल अस्त्र–शस्त्र नहीं दिखाता, यह बताता है कि कब, कहां और कैसे उनका प्रयोग करना है। यह एक नया भारत है- जो केवल निनाद नहीं उठाता, अब प्रभाव और धमक भी दिखाता है। अब भारत प्रतिक्रिया में नहीं चलता, कर्मण्यता पर विश्वास करता है और नई दिशा तय करता है। यह परिवर्तन केवल एक रणनीति नहीं है, ये मानसिकता का परिवर्तन है। इसलिए पीएम मोदी ने आदमपुर एयर बेस में कहा कि, 'ऑपरेशन सिंदूर' भारत का 'न्यू नॉर्मल' है। यही मानसिक परिवर्तन भारत का 'न्यू नॉर्मल' है। और इस 'न्यू नॉर्मल' को अखिल विश्व जितनी जल्दी समझेगा, वो उसके और शेष दुनिया के लिए हितकारी, सुखप्रद और शांतिप्रद होगा।

संपादकीय

अमेरिका को दो टूक

भारत और पाकिस्तान के बीच वर्तमान समय में चल रहे टकरावों को लेकर मंगलवार को दो घटनाएं हुई जिनका वैश्विक कूटनीति के लिहाज से विशेष महत्त्व है। सोमवार को राष्ट्र के नाम संबोधन के बाद मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पंजाब के आदमपुर एयरफोर्स स्टेशन पर पहुंचे और पाकिस्तान के झूठ को दुनिया के सामने बेनकाब किया। पाकिस्तान ने इस एयरबेस पर तैनात एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम को ध्वस्त करने का दुष्प्रचार किया था। प्रधानमंत्री ने साफ शब्दों में कहा कि ऑपरेशन सिंदूर भारत की नीति, नीयत और निर्णायक क्षमता की त्रिवेणी है। उनके इस वक्तव्य का अर्थ बहुत स्पष्ट है कि पाकिस्तान दोबारा कायराना आतंकी हमला करता है, तो उसे भारतीय सैनिक मुंहतोड़. जवाब देंगे। प्रधानमंत्री ने पाकिस्तानी सेना को साफ शब्दों में संदेश दिया कि पाकिस्तान में ऐसी जगह नहीं है, जहां आतंकवादी पनाह ले सकें। उन्होंने कहा कि भारत बुद्ध की धरती है तो गुरु गोविंद सिंह जी की भी धरती है। दूसरी ओर, विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने अमेरिकी राष्ट्रपति ड़ोनाल्ड़ ट्रंप के कश्मीर की मध्यस्थता, भारत-पाकिस्तान के बीच युद्ध विराम, संभावित परमाणु टकराव को रोकने के दावे को एक सिरे से खारिज कर दिया। वास्तव में भारत की कश्मीर नीति पारंपरिक है कि इससे जुड़े.किसी भी मुद्दे पर सिर्फ द्विपक्षीय वार्ता होगी और किसी तीसरे देश की मध्यस्थता स्वीकार नहीं की जाएगी। ट्रंप की छवि अविश्वसनीय और अस्थिर नेता की बन गई है। उन्होंने अपने पहले कार्यकाल के दौरान 2019 में भी इसी तरह का जुमला फेंका था कि प्रधानमंत्री मोदी ने उनसे कश्मीर पर मध्यस्थता करने को कहा था। जाहिर है कि ट्रंप अपने दूसरे कार्यकाल में शांतिदूत की भूमिका निभाने का प्रयास कर रहे हैं। रूस-यूक्रेन, इस्राइल-फिलिस्तीन के बाद भारत-पाकिस्तान के बीच मध्यस्थता कराने का श्रेय लेना चाहते हैं। विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को सीजफायर की शर्तों पर बातचीत करने के लिए कौन किसके साथ कब संपर्क में था, इसका विस्तृत कालक्रम प्रस्तुत किया जिससे जाहिर होता है कि भारतीय सेना के हमलों से तबाही का जो मंजर सामने आया उससे पाकिस्तान ड़र गया और भारत से सैन्य कार्रवाई रोकने की गुहार लगाई। विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट कर दिया कि पाकिस्तान को गुलाम जम्मू-कश्मीर को खाली करना होगा। कश्मीर हमारा था, है और रहेगा। इस मुद्दे पर सिर्फ पाकिस्तान से बात होगी।

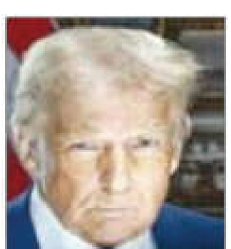

चिंतन-मनन

पत्थर की पूजा

संत नामदेव के जीवन से जुड़ी यह चर्चित कथा है। उनके पिता दामाशेट दर्जी थे। वह चाहते थे कि नामदेव उनका कारोबार आगे बढ़ाएं पर नामदेव तो दिन भर मंदिर में कीर्तन करते रहते थे। इससे दामाशेट दुखी रहते थे। एक दिन उन्होंने नामदेव को कपड़ों का एक गट्ठर सौंप दिया और कहा कि इसे वह बाजार में बेच आएं। नामदेव बाजार पहुंचे। वहां गट्ठर सामने रख विट्ठल के ध्यान में मग्न हो गए। सभी की कमाई हुई, पर नामदेव खाली ही रहे।

वहीं पास में खेत में कुछ पत्थर पड़े थे। उन्होंने पत्थरों को कपड़ों से ढक दिया और एक बड़े पत्थर से कहा कि आठ दिन बाद फिर आऊंगा, पैसे दे देना, ताकि पिता को हिसाब दे सपूं। पिता ने पूछा तो कहा कि आठ दिन बाद पैसे मिलेंगे। आठ दिन बाद नामदेव उस बड़े पत्थर के पास गए। पैसे मांगने लगे। पर वह कहां से देता! उन्होंने गुस्से में उसे उठाया और पंढरपुर के विट्ठल मंदिर ले आए। बोले- यहीं बापू को जवाब दे देना। दामाशेट बौखला रहे थे- कपड़ों के बदले पत्थर! नजदीक आकर देखा तो वह पूरा पत्थर सोने का हो गया था। यह समाचार सब ओर फैल गया।

स किसान के खेत का पत्थर था, वह आकर सोने का पत्थर मांगने लगा। नामदेव ने अपने कपड़े के पैसे मांगे व पत्थर उसे दे दिया। घर जाकर किसान ने देखा कि वह तो फिर पत्थर बन गया। वह गुस्से में नामदेव जी के घर वह पत्थर रख गया। आज भी उस पत्थर की पूजा नामदेव के मंदिर में होती है।

डिजिटल पर्दे पर कामुकता की तिजारत!

ललित गर्ग

संस्कृति, चेतना और सामाजिक अनुशासन की तमाम परंपराएं उस समय ठिठककर खड़ी रह जाती हैं, जब किसी समाज में नंगई को 'स्वतंत्रता', अश्लीलता को 'प्रयोग', और उत्तेजना को 'रचनात्मकता' कहकर स्वीकार कर लिया जाता है। ओटीटी प्लेटफॉर्म के उल्लू एप पर प्रसारित हो रहा एक शो 'हाउस अरेस्ट' इसी अंधेरे की ओर हमारा ध्यान खींचता है, जहाँ मनोरंजन के नाम पर मूल्यों की अर्थी सजाई जा रही है। 20 अप्रैल, 2025 से प्रसारित यह शो, जिसे होस्ट कर रहे हैं पूर्व बिग बॉस प्रतिभागी एजाज खान केवल एक रियलिटी शो नहीं, बल्कि समाज के उस गिरते हुए मानसिक धरातल की गवाही है, जहाँ टास्क के नाम पर प्रतियोगियों से अंतरंग मुद्राओं का अभ्यास करवाया जा रहा है। कैमरे के सामने, कपड़े पहनकर गरिमा को तार - तार किया जा रहा है। शो की एक क्लिप में जब एक महिला प्रतिभागी मासूमियत से अपनी जानकारी 'डॉग पोजीशन' या 'अप-डाउन' जैसे शब्दों में व्यक्त करती है, और दर्शकों की वाहवाही पाती है, तब प्रश्न यह उठता है कि क्या अब शालीनता बासी विषय हो चुका है?

वास्तव में यह शो एक सतही प्रवृत्ति की उपज है, जहाँ न सामाजिक उत्तरदायित्व है, न रचनात्मक विवेक। नारी-पुरुष संबंधों की मयार्दा को जिस चंचलता और अश्लील चेष्टाओं के सहारे टास्क बनाया गया है, वह दशार्ता है कि अब वयस्क कंटेंट और विवेकहीन कंटेंट में कोई अंतर नहीं रहा। यह केवल शो नहीं, चेतना पर आघात है एक ऐसी पीढ़ी के नाम जो यह देख रही है, सीख रही है, और आगे यही बनना चाह रही है। ऐसी सामग्री का मनोवैज्ञानिक असर गहरा और दीर्घकालिक होता है। किशोरावस्था में जब पहचान और सोच का निर्माण हो रहा होता है, तब इस तरह के दृश्य मस्तिष्क में यौनिकता की विकृत छवियाँ अंकित कर देते हैं। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की रिपोर्ट के अनुसार, भारत में नाबालिगों द्वारा किए गए यौन अपराधों में पिछले 5 वर्षों में 30 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। क्या यह महज संयोग है कि उसी दौर में इंटरनेट और ओटीटी पर इस तरह की सामग्री की बाढ़ आई? भारत में 2023 के आंकड़ों के अनुसार, 43 प्रतिशत ओटीटी दर्शक वयस्क सामग्री को प्राथमिकता देते हैं। यही तथ्य प्लेटफॉर्म्स की रणनीति बन चुका है जहाँ भावनात्मक संबंध नहीं, केवल शरीर की 'संभावनाओं' को भुनाया जाता है और यही वह खतरनाक मोड़ है, जहाँ एक समाज अपने नैतिक संतुलन को खो देता है। 'हाउस अरेस्ट' जैसे कार्यक्रम केवल क्षणिक उत्तेजना का माध्यम नहीं हैं, बल्कि वे सामाजिक आदर्शों को दीमक की तरह खोखला कर रहे हैं। नारी को केवल दृश्य माध्यम का उपकरण बना देना, उसके अस्तित्व को 'कंटेंट' में सीमित कर देना, वह भी स्वयं की स्वीकृति के साथ ये वह चुप्पी है जो आने वाले समय में सामाजिक विस्फोट का कारण बन सकती है। विडंबना यह है कि इसे 'बोल्डनेस', 'ओपन माइंडेडनेस' और 'फ्रैंकनेस' जैसे शब्दों की चमकदार चादर में लपेट दिया गया है और अगर कोई प्रश्न करे, तो वह 'पिछड़ा', 'रूढ़िवादी' या 'मॉरल पुलिस' करार दिया जाता है। लेकिन क्या सभ्यता इतनी उन्नत हो चुकी है कि अब विवेक पर प्रश्नचिह्न लगाना अपराध हो गया है? 'हाउस अरेस्ट' केवल एक मंच नहीं, यह एक समाजशास्त्रीय चेतावनी है जो एक संकेत है कि हम किस दिशा में बढ़ रहे हैं। आने वाली पीढ़ी अगर इन दृश्यों में 'टास्क' देखती है और सम्मान, संबंध, मयार्दा जैसे शब्द उसे बेमानी लगने लगते हैं, तो फिर यह नासमझी नहीं, हमारी चूक है। यहाँ सवाल केवल किसी एक शो का नहीं है, बल्कि उस सोच का है जो इसे जन्म देती है, बढ़ावा देती है और उसे सामान्य मानने लगती है। जब सरकारें केवल 'आत्म-नियमन' की बात करती हैं और ओटीटी प्लेटफॉर्म्स व्यावसायिक लाभ के लिए किसी भी सीमा को लांघते हैं, तब मूल्यों का अपमान भी एक व्यापारिक रणनीति बन जाता है।

हाउस अरेस्ट जैसे कार्यक्रम यह बताते हैं कि मनोरंजन के नाम पर समाज किस गहराई तक गिर सकता है। यह केवल एक शो नहीं है, यह उस सोच का प्रतिनिधि है, जो स्त्री को उत्पाद, पुरुष को उपभोक्ता, और संस्कृति को वस्त्रहीन कल्पना मानती है। हमें अब यह तय करना होगा कि हम अपने बच्चों को कैसी दुनिया सौंपना चाहते हैं। आज आवश्यकता है एक गहरी, समवेत चर्चा की जो केवल सेंसरशिप की नहीं, बल्कि सामाजिक जवाबदेही की बात करे। 'स्वतंत्रता' का अर्थ अगर विवेकहीनता है, तो फिर वह स्वतंत्रता नहीं, सामाजिक अराजकता है। हमें तय करना होगा कि क्या हम उस दिशा में जा रहे हैं, जहाँ मनोरंजन का मतलब केवल उत्तेजना रह जाएगा? यदि हम अब भी नहीं चेतें, तो आने वाले समय में हमें अपनी ही पीढ़ी के सामने यह उत्तर देना होगा कि हमने उन्हें सोचने, समझने और सृजन करने की जगह केवल देखने, भोगने और ताली बजाने की आदत क्यों डाली?

(स्वतंत्र लेखिका एवं शोधार्थी)

राष्ट्रीय डेंगू दिवस : डेंगू में लापरवाही जिंदगी पर पड़ सकती है भारी

श्वेता गोयल

डेंगू एक ऐसी गंभीर बीमारी है, जिसके चलते हर साल काफी संख्या में लोगों की मौत हो जाती है। अब लगभग हर साल देश के विभिन्न राज्यों के अनेक इलाके डेंगू और वायरल बुखार के कोप से त्राहि-त्राहि करते नजर आते हैं और हम इस बेबसी पर केवल आंसू ही बहाते रह जाते हैं। इसीलिए स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा प्रतिवर्ष लोगों में डेंगू को लेकर जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से 16 मई को 'राष्ट्रीय डेंगू दिवस' मनाया जाता है। डेंगू के लगातार सामने आते मामलों को देखते हुए डेंगू से बचाव को लेकर अत्यधिक सावधान रहने की जरूरत है क्योंकि अभी तक इसकी कोई वेक्सीन नहीं बनी है, इसलिए डेंगू से बचाव के उपाय ही सबसे अहम हैं। मानसून के साथ डेंगू और चिकनगुनिया फैलाने वाले मच्छरों के पनपने का मौसम शुरू होता है, इसीलिए इस बीमारी को लेकर लोगों में व्यापक जागरूकता फैलाने के लिए सरकार द्वारा इसके लिए 16 मई का दिन निर्धारित किया गया।

डेंगू नामक बीमारी कितनी भयावह हो सकती है, उसका अनुमान इसी पहलू से आसानी से लगाया जा सकता है कि समय से उपचार नहीं मिलने के कारण डेंगू पीड़ित व्यक्ति की मौत भी हो जाती है। पिछले साल देश के विभिन्न राज्यों और विशेषकर उत्तर प्रदेश में डेंगू से पीड़ित हुए कई मरीजों की मौत के आंकड़े इसकी पुष्टि भी करते हैं। वैसे देश में डेंगू का जो प्रकोप देखा जाता रहा है, वह कोई नई बात नहीं है बल्कि प्रतिवर्ष मानूसन के दौरान और उसकी विदाई के बीच डेंगू और मच्छर जनित बीमारियों का बोलबाला बहुत ही सामान्य सी बात है। इसके बावजूद हर साल की वही कहानी और डेंगू के कारण होती सैंकड़ों मौतों के आंकड़े शासन-प्रशासन से लेकर सामुदायिक स्तर पर होती लापरवाही को ही स्पष्ट परिलक्षित करते रहे हैं। चिंता की बात यह है कि अब डेंगू के मामले केवल मौसम विशेष तक ही सीमित नहीं रहमे बल्कि सालभर डेंगू के मामले सामने आते रहते हैं।

तमाम दूसरी बीमारियों की ही तरह डेंगू से बचाव का भी सबसे आसान और कारगर उपाय यही है कि उसकी चपेट में ही न आया जाए और इसके लिए अपेक्षित सावधानियां बरती जाएं। चूंकि डेंगू मच्छरों के कारण फैलता है और मच्छर प्रायः गंदगी और ठहरे हुए पानी में पनपते हैं, इसलिए सबसे जरूरी तो यही है कि डेंगू से बचने के लिए अपने आसपास स्वच्छता का पर्याप्त ध्यान रखा जाए। फिर भी यदि कोई व्यक्ति इस बीमारी की जद में आ जाए तो उसे बिना देर किए अपना उपचार शुरू कर देना चाहिए। यदि समय से सही इलाज नहीं मिले तो डेंगू अमूमन चार-पांच दिनों में ही गंभीर रूप धारण कर लेता है। हालांकि कई बार कुछ मरीजों में यह देखने को भी मिलता है कि डेंगू से पीड़ित व्यक्ति को बुखार आना बंद हो जाता है और ऐसी स्थिति में मरीज और उसके परिजनों को यही लगता है कि मरीज डेंगू से उबर गया है लेकिन ऐसे अधिकांश मामलों में लापरवाही मरीज की जान पर भारी पड़ जाती है।

किसी भी व्यक्ति में डेंगू के शुरूआती लक्षण उभरने के बाद ऐसी विकट परिस्थितियों से सामना न हो, उसके लिए जरूरी है कि लोगों को डेंगू से बचाव के लिए जागरूक करने पर विशेष जोर दिया जाए। दरअसल जानलेवा डेंगू से बचने के लिए सावधानियां और सतर्कता बरता जाना बेहद जरूरी है। डेंगू हो या मच्छर जनित अन्य बीमारियां, उनसे बचने के लिए अपने आसपास के स्थान की समुचित साफ-सफाई करने को अपनी आदतों का हिस्सा बना लेना अत्यंत आवश्यक है। दरअसल अमूमन देखा जाता है कि लोग अपने घरों की साफ-सफाई तो कर लेते हैं किन्तु अपने आस-पड़ोस की उन्हें कोई फिक्र नहीं होती। इस स्तर पर बरती जाने वाली लापरवाही प्रायः बहुत भारी पड़ती है। यदि किसी व्यक्ति को डेंगू हो भी जाए तो सबसे जरूरी है उसकी डाइट पर विशेष ध्यान दिया जाए और उसके इम्यून सिस्टम को सही रखने का भी प्रयास किया जाए। डेंगू के मरीज को संतुलित और पौष्टिक आहार ही दिया जाना चाहिए।

डेंगू के उपचार में बहुत से लोग घरेलू नुस्खों का भी सहारा लेते हैं और इन नुस्खों में तुलसी का उपयोग बहुत फायदेमंद माना जाता है। इसके अलावा डेंगू हो जाने पर घरेलू नुस्खों में नारियल पानी एक अच्छा विकल्प है, जिसे शरीर में रक्त कोशिकाओं की कमी को पूरा करने में मददगार माना जाता है। दरअसल नारियल पानी में काफी मात्रा में इलैक्ट्रोलाइट्स के अलावा बहुत सारे खनिज पदार्थ भी होते हैं। डेंगू के उपचार में विटामिन सी से भरपूर वस्तुओं का उपयोग भी बहुत लाभकारी माना गया है, जो शरीर के रोग प्रतिरोधी तंत्र को मजबूत बनाए रखती हैं। इसलिए डेंगू हो जाने पर विटामिन सी से भरपूर फलों का सेवन करना लाभकारी है। बहरहाल, यदि इसके बावजूद मरीज की स्थिति में कोई सुधार नजर नहीं आए या परेशानियां बढ़ती दिखें तो तुरंत अपने चिकित्सक या नजदीकी अस्पताल से सम्पर्क करना चाहिए क्योंकि डेंगू के इलाज में लापरवाही मरीज की जिंदगी पर बहुत भारी पड़ सकती है।

(लेखिका डेढ़ दशक से शिक्षण क्षेत्र से जुड़ी हैं)

अधिकारी मौके पर ही करें समस्याओं का निस्तारण, आमजन को नहीं लगाने पड़े कार्यालयों के चक्कर : जिला कलक्टर

जिला स्तरीय सतर्कता समिति एवं जनसुनवाई में आये विभिन्न प्रकरण, जिला कलक्टर ने दिये निस्तारण के निर्देश

कहा :- जनसुनवाई व रात्रि चौपाल के माध्यम से जनता के बीच जायें, जमीनी स्तर पर समस्याओं को देखें अधिकारी

मरुधर विशेष

कोटपूतली (सीताराम गुप्ता) आमजन की परिवेदनाओं और समस्याओं के त्वरित निस्तारण को सुनिश्चित कर उन्हें राहत प्रदान करने के उद्देश्य से त्रि-स्तरीय जनसुनवाई व्यवस्था के तहत गुरुवार को कलेक्ट्रेट भवन के वीसी कक्ष में जिला कलक्टर कल्पना अग्रवाल की अध्यक्षता में जिला स्तरीय जनसुनवाई का आयोजन किया गया। जनसुनवाई में कुल 54 प्रकरण प्राप्त हुये। जिला कलक्टर ने प्रकरणों के नियमानुसार गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश सम्बंधित अधिकारियों को दिये। उन्होंने कहा गर्मी के मौसम के मध्यनजर सभी अधिकारी अपने कार्यालय में छाया, बैठने, पेयजल सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थायें बनाकर रखें, जिससे आगंतुकों को किसी प्रकार की परेशानी ना हो।

संवेदनशीलता से सुने अधिकारी आमजन की समस्यायें :- जिला कलेक्टर ने अधिकारियों से आमजन के प्रकरणों को संवेदनशीलता के साथ सुनने के निर्देश देते हुये कहा कि यह समय पेयजल, बिजली, चिकित्सा एवं अन्य आधारभूत व्यवस्थाओं की दृष्टि से संवेदनशील है। सभी अधिकारी संवेदनशीलता के साथ आपसी समन्वय से आमजन के हितार्थ कार्य करें। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देश दिये कि अपने अधीनस्थ कार्यालय के कार्यों की मॉनिटरिंग करें व निचले स्तर तक निर्देशों की पालना सुनिश्चित करवायें। उन्होंने कहा कि जनसुनवाई में अपने अधीनस्थों के माध्यम से मौके पर ही परिवादियों की समस्या को सुनकर तुरंत समाधान के प्रयास करें।

स्थानीय स्तर पर ही निपटायें प्रकरण, आमजन को नहीं लगाने पड़े चक्कर :- जिला कलक्टर ने कहा कि सभी अधिकारी आमजन की परिवेदनाओं का प्रभावी रूप से निस्तारण करें, ताकि उन्हें किसी प्रकार की परेशानी ना हो व बार बार कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़े। स्थानीय स्तर पर ही निराकरण कराकर राहत प्रदान करें तथा बुजुर्ग व महिलाओं के प्रकरणों को प्राथमिकता से लेंवे। उन्होंने लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों को फटकार लगाते हुये कहा कि बिना अनुमति के कोई भी जिला स्तरीय अधिकारी अनुपस्थित ना रहें। इसी के साथ ही जिला कलक्टर ने समस्त जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देशित करते हुये कहा कि जनसुनवाई और रात्रि चौपाल को प्राथमिकता से ले। जिला कलक्टर ने अवैध कार्यों के खिलाफ अधिकारियों को स्वतः संज्ञान लेते हुये सख्त कार्यवाही करने के निर्देश दिये।

धैर्यपूर्वक सुने आमजन की समस्यायें :- जिला कलक्टर ने जनसुनवाई में रास्ता खुलवाने, पट्टा संबंधी प्रकरण, नक्शे में शुद्धिकरण करने, कृषि भूमि पर सीमांकन, पत्थरगढ़ी करने, कब्जा हटवाने, म्यूटेशन, अवैध खनन, पंचायत पुनर्गठन, रास्ता अतिक्रमण, एनएफएसए संबंधी, परिसीमन, पुनर्गठन पर आपत्तियां, विद्युत कनेक्शन करवाने, अवैध अतिक्रमण हटाने, सफाई कराने, पेयजल व सड़क निर्माण कराने सहित अन्य प्राप्त प्रकरणों को आत्मीयता और धैर्यपूर्वक ढंग से सुनकर निस्तारण के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि परीवादों के निस्तारण की मॉनिटरिंग कर रिपोर्टिंग प्रस्तुत करें।

सतर्कता के प्रकरणों पर हुई चर्चा :- बैठक में सतर्कता के प्रकरणों की भी चर्चा की गई। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि सम्पर्क पोर्टल, सीएमओ, पुलिस संबंधी, जनसुनवाई, जनप्रतिनिधियों से प्राप्त प्रकरणों का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण तरीके से समय सीमा के भीतर किया जायें। ताकि आमजन को राहत मिल सके। कलेक्ट्रेट में आने वाले परिवादियों के लिये छाया, बैठने व पेयजल की उचित व्यवस्था की गई। जनसुनवाई में एडीएम ओमप्रकाश सहारण, एसडीएम बृजेश कुमार, डीएसओ शशि शेखर शर्मा, नगर परिषद आयुक्त धर्मपाल जाट सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारी, कर्मचारी व आमजन उपस्थित रहे।

भौनावास में आयोजित रात्रि चौपाल में सुनी जनसमस्यायें :- जिला कलक्टर ने बुधवार को उपखण्ड पावटा की ग्राम पंचायत भौनावास में आयोजित रात्रि चौपाल के दौरान आमजन की समस्याओं को सुनते हुये समस्याओं के नियमानुसार त्वरित निस्तारण के निर्देश दिये। बैठक में आमजन अपनी समस्यायें लेकर पहुँचे। जिसे जिला कलक्टर ने धैर्यपूर्वक सुना। उन्होंने अधिकारियों को कल्याणकारी योजनाओं का प्रचार प्रसार करने और प्रत्येक पात्र को योजना का लाभ दिलवाने के निर्देश दिये। इस दौरान एसडीएम कपिल कुमार सहित अन्य जिला एवं उपखंड स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

जनसुनवाई में पहुँचे अशोक कुमार को 04 लाख 25 हजार रूपये की मुआवजा राशि का चैक किया प्रदान :- जिला कलेक्ट्रेट में गुरुवार को जिला स्तरीय जनसुनवाई के दौरान तहसील कोटपूतली के ग्राम भालोजी निवासी अशोक कुमार पुत्र छीतर मीणा जिला कलक्टर के समक्ष अपनी समस्या लेकर पहुँचे। उन्होंने बताया कि वह विद्युत जनित एक दुर्घटना के शिकार हो गये थे। जिससे वे 85 प्रतिशत तक शारीरिक रूप से अपंग हो गये थे। उन्होंने मुआवजा राशि को लेकर अपनी समस्या जिला कलक्टर को बताई। अशोक कुमार की शिकायत पर जिला कलक्टर ने मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुये तुरंत संज्ञान लेकर सम्बन्धित अधिकारी से मुआवजा राशि की प्रगति की पूर्ण जानकारी लेकर परिवादी को तुरंत राहत प्रदान करने के निर्देश दिये। परिणामस्वरूप जनसुनवाई के पश्चात अधीक्षण अभियंता विद्युत विभाग मनोज गुप्ता के निर्देशन में अधिकारियों की समझाईश के पश्चात परिवादी अशोक कुमार को विद्युत निगम के प्रावधानों के अनुरूप निर्धारित मुआवजा राशि 04 लाख 25 हजार रुपये का चैक सुपुर्द किया गया। उन्होंने सरकार व जिला प्रशासन का धन्यवाद ज्ञापित किया।

जनसुनवाई में जिला कलेक्टर ने सुनी आमजन की परिवेदनाएं, रास्ता खोलने और अवैध नाकों पर 15 दिन में कार्रवाई के निर्देश

जिला स्तरीय जनसुनवाई में कलेक्टर ने 68 परिवेदनाओं को सुना

मरुधर विशेष

हनुमानगढ़, (प्रभु राम): राज्य सरकार आमजन की समस्याओं के समाधान के प्रति संवेदनशील है। इसी कड़ी में गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला कलेक्टर काना राम ने जनसुनवाई के दौरान लोगों की परिवेदनाएं सुनीं और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जिला स्तरीय जनसुनवाई में 68 से अधिक परिवेदनाओं को सुना। जिला कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि जनसुनवाई में अधिकतर मामले रास्ता अवरुद्ध होने, अतिक्रमण और अवैध नाकों से जुड़े हुए हैं। उन्होंने निर्देश दिए कि ऐसे मामलों का उपखंड स्तर पर सर्वे करवाकर प्राथमिकता से निस्तारण कराया जाए।

जिला कलेक्टर ने अधिकारियों से कहा कि रास्ते और अवैध नाकों के प्रकरणों को 15 दिन में प्राथमिकता से निस्तारित किया जाए और सीमाज्ञान प्रकरणों का शीघ्र निपटारा सुनिश्चित किया जाए। जिला कलेक्टर ने सभी एसडीएम को नियमित मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए और जहाँ आवश्यक हो, वहाँ पुलिस जाब्ता सहित रास्ते को खुलवाया जाए। जिला कलेक्टर ने सभी जिला स्तरीय एवं उपखंड अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि अगली जनसुनवाई से पूर्व, पूर्ववर्ती सुनवाई के सभी प्रकरणों का समाधान सुनिश्चित करें। इसके अलावा, जिला कलेक्टर ने बिना सक्षम अनुमति संचालित हो रही फर्टिलाइज़र व जिप्सम फैक्ट्रियों का संयुक्त निरीक्षण करने और आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए।

जनसुनवाई में आमजन ने रास्ते खुलवाने, अतिक्रमण हटाने, अवैध नाकों पर कार्रवाई, प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवास दिलाने, डिक्री की तामील, पालनहार योजना का लाभ, तथा कॉलोनियों में मूलभूत सुविधाओं के विकास हेतु ज्ञापन सौंपे। सनसिटी एंक्लेव के निवासियों ने मूलभूत सुविधाओं की कमी का परिवाद सौंपा, वहीं तलवाड़ा झील की श्रीमती विमला देवी ने नाली में मिट्टी भरकर जल निकासी रोकने की शिकायत की। इस पर तुरंत संज्ञान लेते हुए कलेक्टर ने बीडीओ को मिट्टी हटाने के निर्देश दिए।

जनसुनवाई में जिला कलेक्टर सहित एडीएम श्री उम्मेदी लाल मीना, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री जनेश तंवर, जिला परिषद सीईओ श्री ओपी बिश्नोई, एसडीएम श्री मांगीलाल सहित सभी जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहें।

वार्षिक ग्रामीण मेला संस्कृति का संवाहक- बेढ़म

मरुधर विशेष

संवाददाता सलीम खान डीग, - गृह, गोपालन, पशुपालन, डेयरी तथा मत्स्य विभाग राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म के कर कमलों से गुरुवार को ग्राम मवई में वार्षिक ग्रामीण मेला का उद्घाटन किया गया।

मवई का यह प्राचीन मेला विशिष्ट सूफी संत की मजार पर लगने वाला एक वार्षिक धार्मिक मेला है। यह मेला सूफीवाद की मान्यताओं और परंपराओं के अनुसार आयोजित किया जाता है, जिसमें सूफी संत की याद में प्रार्थना, भजन, और लंगर (मुफ्त भोजन वितरण) जैसे कार्यक्रम होते हैं। गृह राज्य मंत्री ने कहा कि इस वार्षिक मेला में हिंदू और मुस्लिम दोनों समुदायों के लोग आते हैं, जो धर्मों के बीच एकता और भाईचारे का प्रतीक है। मेले में लंगर का आयोजन किया जाता है, जिसमें सभी धर्मों के लोगों को मुफ्त भोजन दिया जाता है।

मेले का उद्घाटन करने पहुंचे गृह राज्य मंत्री का ग्रामवासियों ने धूमधाम से स्वागत किया एवं राधा-कृष्ण का चित्र भेंट कर उनका अभिवादन किया। गृहराज्य मंत्री ने कहा कि वार्षिक मेला एक धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजन है जो सूफीवाद की मान्यताओं और परंपराओं को बढ़ावा देता है। श्री बेढ़म मेले में नगाड़ा बजाते नजर आए जिस देख ग्राम वासी भी उत्साह से भर उठे। मेले में विभिन्न प्रकार की वस्तुओं को खरीदने का स्टाल दिखाई दिए यथा कपड़े, बर्तन, और अन्य चीजें। श्री बेढ़म ने कहा कि राज्य सरकार सभी धर्मों को एक साथ लेकर चल रही है। साथ ही विकसित राजस्थान का सपना तब ही पूरा हो सकता है जब समाज का प्रत्येक तबका आगे आकर राज्य के विकास में अपना योगदान दे। उन्होंने मेले के आयोजकों का धन्यवाद किया और इसे धूम धाम से मनाने की अपील की।

इस अवसर पर सरपंच मवई गुड्डु सिंह, पूर्व प्रधान चंदन सिंह, जिला उपाध्यक्ष सतीश बंसल, पंडित राम गोपाल वर्मा, पूर्व प्रधान अर्जुन सिंह, रघुनाथ सरपंच शिशवाडा, सरपंच केशव, मंडल अध्यक्ष विनोद शर्मा, ग्रामीण मंडल अध्यक्ष नगर हिमेश सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

बीसीएमओ डॉ. पूरण चंद गुर्जर ने स्वास्थ्य केन्द्रों का किया वर्चुअल निरीक्षण समय पर नहीं पहुँचे कर्मचारी, जारी किया नोटिस

कहा :- कर्तव्य के प्रति लापरवाही बरतने पर होने वाली कार्यवाही के लिये सम्बंधित कार्मिक होगा जिम्मेदार

बार-बार निर्देशों के बावजूद भी नहीं आया सुधार तो होगी वेतन रोकने की कार्यवाही

मरुधर विशेष

कोटपूतली(सीताराम गुप्ता) बीसीएमओ डॉ. पूरण चंद गुर्जर ने गुरूवार को विभिन्न स्वास्थ्य केन्द्रों का वर्चुअल निरीक्षण किया। इस दौरान कई स्वास्थ्य केन्द्रों पर कर्मचारी अपने कर्तव्य स्थल पर अनुपस्थित पाये गये। समय पर स्वास्थ्य केन्द्रों पर नहीं पहुँचने पर बीसीएमओ डॉ. गुर्जर ने नाराजगी जाहिर करते हुये कहा कि अपने कर्तव्य के प्रति लापरवाही बरतने वाले कर्मचारियों के प्रति विभागीय कार्यवाही अमल में लाई जायेगी। जिसके लिये सम्बंधित कार्मिक स्वयं जिम्मेदार होगा। उन्होंने कहा कि यदि कोई कर्मचारी बार-बार निर्देशों के बावजूद भी लापरवाही बरतता है तो उसके वेतन रोकने एवं सीसीए नियमों के तहत कार्यवाही प्रस्तावित कर दी जावेगी। उन्होंने कहा कि मौसमी बीमारियों और हीटवेव को लेकर स्वास्थ्य विभाग सख्त है। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा है कि इस दौरान किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जायेगी। बीसीएमओ डॉ. गुर्जर ने सभी स्वास्थ्यकर्मियों से पूरी जिम्मेदारी और संवेदनशीलता के साथ काम करने का आह्वान किया है ताकि क्षेत्र के लोगों को मौसमी बीमारियों और हीटवेव के दुष्प्रभावों से बचाया जा सके। बीसीएमओ ने कहा कि स्वास्थ्य केन्द्रों पर कर्मचारी गणवेश मय आईडी कार्ड के समय पर उपस्थिति सुनिश्चित करें।

नियमित टीकाकरण कार्यक्रम की समीक्षा की :- बीसीएमओ डॉ. पूरण चन्द गुर्जर ने गुरूवार को विभिन्न स्वास्थ्य केन्द्रों पर आयोजित किये गये नियमित टीकाकरण कार्यक्रम की समीक्षा करते हुये कहा कि टीकाकरण कार्य बेहद जिम्मेदारी के साथ सम्पादित किया जायें। इसमें किसी भी प्रकार की कोई लापरवाही नहीं बरती जायें। उन्होंने नियमानुसार टीकाकरण करने, सभी टीके समय पर लगाने, टीकों की ऑनलाईन यूविन एप व पीसीटीएस में एन्ट्री करने, एईएफआई किट, बायोवेस्ट मैनेजमेंट समेत अन्य सभी प्रकार की सावधानी बरतने के निर्देश दिये।

राष्ट्रीय डेंगू दिवस पर होगी विभिन्न गतिविधियां :- शुक्रवार 16 मई को राष्ट्रीय डेंगू दिवस के अंतर्गत विभिन्न जागरुकता गतिविधियों का आयोजन किया जायेगा। बीसीएमओ डॉ. पूरण चन्द गुर्जर ने बताया कि स्वास्थ्यकर्मियों द्वारा सर्वे, एंटीलार्वा समेत अनेक गतिविधियों का आयोजन किया जायेगा।

जिला कलक्टर ने जनसुनवाई में आमजन के सुने परिवाद

जनसुनवाई में जिला कलक्टर ने अधिकारियों को दिए जल्द समस्या निस्तारण के निर्देश

मरुधर विशेष

संवाददाता सलीम खान डीग, जिला कलक्टर उत्सव कौशल की अध्यक्षता में जिला स्तरीय जनसुनवाई गुरूवार को पंचायत समिति सभागार में आयोजित की गई। जिला स्तरीय जनसुनवाई में 47 प्रकरण प्राप्त हुए। जिला कलेक्टर ने मौके पर परिवादों को सुना तथा संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध निस्तारण के निर्देश दिये। जिला स्तरीय जनसुनवाई में दाखिला खारिज खुलवाने, जन्म प्रमाण पत्र बनवाने, पुलिस जाब्ता उपलब्ध करने, भूमि से अतिक्रमण हटाने, सड़क व नाली निर्माण, कामां में रास्ता जुड़वाने, कुम्हेर के खेत से अतिक्रमण हटाने, इकलहरा में सड़क निर्माण व पेयजल सप्लाई सुनिश्चित करने, गन लाइसेंस रिन्यू करने, मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने, कामां में रास्ता खोलने, वार्ड नंबर 24 डीग में चम्बल का पानी देने, अस्तावन में नाली व खरंजा निर्माण, नारायणा कटता में रास्ता खोलने, बिजली का डिमांड नोटिस रीओपन करने, टांकौली में रास्ते के अतिक्रमण को हटाने सहित अन्य परिवाद प्राप्त हुए जिन पर जिला कलेक्टर ने संज्ञान लेते हुए संबंधित उपखण्ड अधिकारी, तहसीलदार, विकास अधिकारी और सम्बंधित विभागों को परिवादों के निस्तारण के निर्देश दिये। उन्होंने सभी परिवादियों को की गई कार्यवाही से अवगत कराते हुये गुणवत्तापूर्ण प्रकरण निस्तारित करने के निर्देश दिये।

जिला कलेक्टर उत्सव कौशल ने कहा कि सभी अधिकारी राजस्थान सम्पर्क पोर्टल, सीएमओ, मुख्यमंत्री जनसुनवाई प्रकोष्ठ एवं जनसुनवाईयों में प्राप्त होने वाले प्रकरणों का त्वरित निराकरण करना सुनिश्चित करें। अधिकारी प्रकरणों को लेकर ना बैठे, अपने क्षेत्राधिकार में नहीं होने पर उच्च स्तर पर संपर्क कर निपटाएं, अधिकारियों की ड्यूटी लगाकर परिवादी से व्यक्तिगत संपर्क करते हुए एवरेज डिस्पोजल टाइम में सुधार करें। जिला स्तरीय जनसुनवाई के दौरान अतिरिक्त जिला कलेक्टर देवी सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अखिलेश शर्मा, अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी मोहन सिंह, सहकारिता विभाग अधिकारी रामावतार सिंह, अधीक्षण अभियंता जेवीवीएनएल बनवारी लाल वर्मा, नगर परिषद आयुक्त कुलदीप सिंह, महिला एवं बाल विकास अधिकारी अर्चना पीपल, उपनिदेशक पशुपालन विभाग भावना यादव, उपनिदेशक कृषि विभाग महीपाल शर्मा, पीएचईडी विभाग के अधिकारी सहित सभी जिला स्तरीय अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। साथ ही सभी ब्लॉक स्तरीय अधिकरी वीसी के माध्यम से जुड़े रहे।

बूंदी ज़िले केशोरायपाटन सुनील मेघवाल संवाददाता

कापरेन क्षेत्र में अवैध खनन एव परिवहन खिलाफ औचक कार्वाई की

2,53,600 रुपए जुर्माना किया

मरुधर विशेष

एडीएम कोटा के निर्देशन में माइन्स फोरमैन गोविंद शर्मा द्वारा जिसमे 2 ट्रैक्टर ट्रॉली अवैध बजरी से भरे हुए पकडे गये वाहन चालको के पास वैध रवन्ना नहीं होने के कारण उक्त वाहनो पर 2,53,600 रुपए जुर्माना कियामौके पर जुर्माना जमा नही करने पर ट्रैक्टर ट्रॉली को कापरेन थाने में सुपुर्दगी मे खड़ा करवाया एडीएम कोटा अविनाश कुलदीप ने बताया की अवैध खनन एवं परिवहन के खिलाफ निरंतर कार्रवाई जारी रहेगी, कार्रवाई करते हुए बजरी माफियो में हड़कप मच गया

भारतीय रिजर्व बैंक के द्वारा चलाए गए सशक्त नारी समृद्ध गांव कार्यक्रम का हुआ आयोजन

मरुधर विशेष

खेड़ली (दिनेश लेखी)। कस्बे में गुरूवार को भारतीय रिजर्व बैंक के द्वारा चलाए गए सशक्त नारी समृद्ध कार्यक्रम के तहत आयोजन किया गया। इसका उद्देश्य हम सब मिलकर महिलाओं को सशक्त बनाना है और सरकारी योजनाओं से लाभान्वित करवाना है। प्रिया चौधरी ने बताया कि ग्रामीण महिलाओं को बैंकिंग खाता से संबंधित एवं डिजिटल लेनदेन एवं ऑनलाइन फ्रॉड के बारे में बताया और आमदनी, खर्च, बचत, निवेश, वित्तीय योजनाएं एंव बीमा पैसा का सही जगह पर निवेश, चक्रवर्ती ब्याज की शक्ति , वित्तीय योजनाएं एवं फ्रॉड से बचने के नए-नए तरीके एवं जन कल्याणकारी योजनाओं की ग्रामीण महिलाओं को विस्तार से जानकारी दी गई। इसी के साथ कृसिल फाउंडेशन एवं ग्रामीण विकास ट्रस्ट की में प्रगति प्रोग्राम से सुमित्रा मैनेजर के द्वारा महिलाओं को वित्तीय समावेशन एवं वित्तीय साक्षरता एवं डिजिटल लेनदेन से संबंधित जानकारी दी गई एवं उसी कैंप में उपस्थित सभी अतिथिगण राजीविका से ब्लॉक परियोजना को सरवर क्राइम फ्रॉड ऑफिस की जानकारी खेड़ली थाने से कुंवर सिंह के द्वारा भी सभी महिलाओं को बचत एवं फ्रॉड के बारे में जानकारी दी गई। इस कार्यक्रम में खेड़ली गंज से पीएनबी बैंक मैनेजर धीर सिंह मीणा, एसबीआई से दिलीप कुमार चौधरी, बीओबी से सुभाष रंगा, खेड़ली गंज थाने कुंवर सिंह, कनक शर्मा, सुनीता और सीएफएल से प्रिया चौधरी, सीएलएफ सुमित्रा, मगना दे क्लस्टर मैनेजर, पवन कुमार , ववीता और राजीवका स्टाफ सहित 115 ग्रामीण महिलाएं शिविर में उपस्थित रही।

भारत में बनाए जा सकते हैं ओलंपिक ट्रेनिंग सेंटर, बीसीसीआई ले सकता है कुछ खेलों का जिम्मा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कारपोरेट भागीदारी से देश में ओलंपिक केंद्रों की स्थापना की खेल मंत्रालय की महत्वाकांक्षी योजना में भारतीय क्रिकेट बोर्ड भी दो से तीन ओलंपिक खेलों का जिम्मा उठाने को तैयार है और इस योजना पर इस साल काम शुरू हो जाएगा। खेलमंत्री मनसुख मांडविया के साथ हुई बैठक में बीसीसीआई ने यह प्रस्ताव रखा।

बैठक में कारपोरेट जगत के 58 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। खेल मंत्रालय के एक सूत्र ने बताया, 'ओलंपिक खेलों के विकास के लिये कारपोरेट जगत की सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए हुई अहम बैठक में देश में जापान की तर्ज पर ओलंपिक केंद्र खोलने का प्रस्ताव रखा गया।' सूत्र ने कहा, 'कारपोरेट जगत के 58 प्रतिनिधियों के साथ हुई बैठक में बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला भी मौजूद थे जिन्होंने कहा कि बोर्ड दो . तीन खेलों का जिम्मा लेने को तैयार है और यह मंत्रालय तय करेगा कि वे खेल कौन से होंगे।'

सूत्र के अनुसार ये सभी केंद्र एक एक ओलंपिक खेल को समर्पित होंगे और लॉस एंजिलिस ओलंपिक 2028 को ध्यान में रखकर इनमें उस खेल के 100 से 200 प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को एक ही जगह पर आधुनिक प्रशिक्षण सुविधायें और विशेषज्ञ उपलब्ध होंगे। समझा जाता है कि मंत्रालय ने जापान, अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया के ओलंपिक केंद्रों से प्रेरणा ली है जहां से कई ओलंपिक पदक विजेता निकले हैं। बीसीसीआई ने 2008 में राष्ट्रीय खेल विकास कोष में 50 करोड़ रुपए और पिछले साल पेरिस ओलंपिक से पहले भारतीय ओलंपिक संघ को 8.5 करोड़ रुपए दिए थे।

इसके अलावा बोर्ड ने तोक्यो ओलंपिक 2021 के पदक विजेताओं को चार करोड़ रुपए नकद पुरस्कार भी दिए थे। सूत्र ने यह भी बताया कि भारतीय खेलों खासकर टेनिस और फुटबॉल को मजबूत बनाने के लिए विदेश में बसे भारतीय मूल के खिलाड़ियों को राष्ट्रीय टीम में चयन की पात्रता फिर देने पर भी विचार किया जा रहा है। इस पर 2008 में रोक लगा दी गई थी और केवल भारतीय पासपोर्ट धारक ही भारत के लिए खेल सकते हैं। सूत्र न कहा कि अभी काफी शुरूआती चरण की बातचीत चल रही है और सभी पक्षों से सलाह ली जा रही है।

ओलंपिक चैंपियन झेंग रोम में सबालेंका को हराकर सेमीफाइनल में

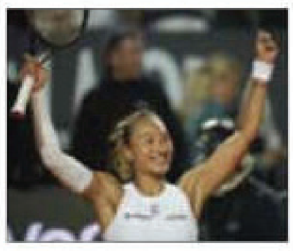

रोम (एजेंसी)। ओलंपिक चैंपियन झेंग किनवेन ने अपने सातवें सर्वकालिक मुकाबले में विश्व की नंबर 1 आर्यना सबालेंका पर अपनी पहली जीत दर्ज की और 6-4, 6-3 की जीत के साथ इटैलियन ओपन के सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

डब्ल्यूटीए की रिपोर्ट के अनुसार झेंग न केवल हार्ड कोर्ट के अलावा क्ले सतह पर अपने पहले मैच में सबालेंका के खिलाफ 0-6 से पिछड़ रही थीं- रोम में क्वार्टर फाइनल बाधा दौड़ में भी वह 0-2 से पिछड़ रही थीं। लेकिन 1 घंटे और 37 मिनट में, उन्होंने उन दोनों जीत रहित अंकों को तोड़ दिया, उन्होंने अपने सामने आए सभी पांच ब्रेक पॉइंट बचाए और सबालेंका की सर्विस को तीन बार तोड़ा।

झेंग ने बाद में क्ले पर अपने आराम के स्तर को पिछले छह मुकाबलों की तुलना में एक्स-फैक्टर बताया। हालांकि सबालेंका लगातार नौ मैच जीत रही थीं, लेकिन क्ले-कोर्ट फाइनल में झेंग का रिकॉर्ड 3-0 है और पिछले 20 क्ले-कोर्ट मैचों में उनका रिकॉर्ड 17-3 है।

झेंग ने मैच के बाद कहा, 'इस दौरान मैं उसे कोर्ट पर हराने की कोशिश कर रही हूं। कभी-कभी मैं बहुत करीब पहुंच जाती हूं, लेकिन ऐसा कभी नहीं हो पाता। यह पहली बार है जब हम क्ले पर खेल रहे हैं। मुझे लगता है कि जब मैं क्ले पर खेलती हूं, तो मैं अधिक सहज महसूस करती हूं क्योंकि मुझे क्ले पर बहुत अच्छा अनुभव है। ' झेंग,जिन्होंने 27 अनफोर्स्ड गलतियां कीं और केवल 15 विनर्स लगाए,ने कहा, 'मैं उससे अधिक धैर्यवान थी। मैं अपने प्रदर्शन से खुश हूं और दुनिया की नंबर 1 खिलाड़ी को हराने के लिए आगे कदम बढ़ाकर खुश हूं। '

झेंग रोम में सेमीफाइनल में पहुंचने वाली दूसरी चीनी महिला हैं, इससे पहले ली ना ने सेमीफाइनल में जगह बनाई थी, जो 2012 में टूर्नामेंट में उपविजेता रही थीं। वह अपने करियर के दूसरे डब्ल्यूटीए 1000 फाइनल में जगह बनाने के लिए नंबर 4 वरीयता प्राप्त कोको गॉफ के खिलाफ खेलेंगी, जिन्होंने पहले रूसी किशोरी मीरा एंड्रीवा को सीधे सेटों में हराकर अंतिम चार में जगह बनाई थी। गॉफ ने झेंग किनवेन के खिलाफ पिछली दोनों भिड़ंत जीती थीं (पिछले सीजन में रोम के क्वार्टर फाइनल में और पिछले साल रियाद में डब्ल्यूटीए फाइनल में चैंपियनशिप मैच में)। डब्ल्यूटीए के आंकड़ों के अनुसार, उन्होंने मैड्रिड और रोम में रेड क्ले पर अपने 10 में से नौ मैच जीते हैं।

रोहित शर्मा ने टेस्ट के बाद वनडे से संन्यास पर तोड़ी चुप्पी, ... मैं खेलना छोड़ दूंगा

मुंबई (एजेंसी)। रोहित शर्मा के टी20 और टेस्ट से संन्यास के बाद अब वनडे से भी उनके संन्यास की अटकलें लगाई जा रही हैं। मार्च में भारत द्वारा चैंपियंस ट्रॉफी 2025 जीतने के बाद रोहित के प्रारूप वनडे से संन्यास की अटकलें थी, लेकिन उन्होंने टेस्ट को अलविदा कहकर सभी को चौंका दिया था। रोहित की कप्तानी में भारतीय क्रिकेट टीम 2023 के वनडे विश्व कप के फाइनल में हार गई थी और ऐसी खबरें हैं कि 'हिटमैन' इस प्रारूप से बाहर होना चाहते हैं।

रोहित ने कहा, 'मैं पहले की तरह ही खेलता था, मैं अपना समय लेता था। मैं पहले 10 ओवर में 30 गेंदें खेलता था और सिर्फ 10 रन बनाता था। लेकिन अगर मैं अब 20 गेंदें खेलता हूं, तो 30, 35 या 40 रन क्यों नहीं बना सकता? और जिन दिनों मैं तेजी से आगे बढ़ता हूं, पहले 10 ओवर में 80 रन बनाना बिल्कुल भी बुरा नहीं है। अब मैं ऐसा ही सोचता हूं।' उन्होंने कहा, 'मैंने यह कर दिखाया है; मैंने वो रन बनाए हैं जो मुझे बनाने थे। अब मैं क्रिकेट को अलग तरीके से खेलना चाहता हूं। मैं इनमें से किसी भी चीज को हल्के में नहीं ले रहा हूं। यह मत सोचिए कि चीजें इसी तरह चलती रहेंगी, कि मैं 20 या 30 रन बनाता रहूंगा और खेलता रहूंगा। जिस दिन मुझे लगेगा कि मैं मैदान पर वो नहीं कर पा रहा हूं जो मैं करना चाहता हूं, मैं खेलना छोड़ दूंगा। यह पक्का है। लेकिन अभी मैं जानता हूं कि मैं जो कर रहा हूं, उससे टीम को मदद मिल रही है।'

बोलोग्ना ने मिलान को हराकर 51 साल बाद कोपा इटालिया का खिताब जीता

रोम (एजेंसी)। बोलोग्ना एफसी ने एसी मिलान पर 1-0 की जीत के साथ कोपा इटालिया फ्रेकिआरोसा (इटैलियन कप) ट्रॉफी जीत ली है। 1973/74 के बाद पहली बार टीम ने खिताब जीता है।

मैच शुरू होने के 3 मिनट बाद मिलान ने पहला मौका बनाया जब लीओ ने विंग पर लुकुमी को हराया और एक खतरनाक क्रॉस भेजा, लेकिन जिमेनेज इसे पूरा नहीं कर सके। 5 मिनट बाद, बोलोग्ना ने कास्त्रो से क्लोज-रेंज हेडर के साथ जवाब दिया, लेकिन मेगनन ने एक शानदार बचाव किया।

9वें मिनट स्कोर्पस्की ने डबल सेव किया - पहले मिरांडा के डिफ्लेक्शन पर, फिर जोविक के क्लोज-रेंज शॉट को रोक दिया। इन शुरुआती मौकों के बाद दोनों ही टीमों का डिफेंस बेहद रक्षात्मक रहा और पहला हाफ 0-0 पर समाप्त हुआ।

दूसरे हाफ की शुरुआत के 7 मिनट बाद बोलोग्ना की तरफ से गोल दागा गया। थियो हर्नांडेज़ ने ओरसोलिनी को टैकल किया और गेंद एनडोये के पास गई, जिन्होंने दाएं पैर से शॉट लगाया। मिलान ने वॉकर, जोआओ फेलिक्स और जिमेनेज को टॉमोरी, जिमेनेज और जोविक के प्रतिस्थापन खिलाड़ी के रूप में लाकर संतुलन बनाने की कोशिश की।

बोलोग्ना ने भी फेबियन और ओरसोलिनी के सब्सिट्यूट के तौर पर पोबेगा और कैसले को मैदान में उतारा। मिलान के लिए गोल के मौके बनाना बेहद मुश्किल रहा। बोलोग्ना ने कास्त्रो और एनडोये से कुछ लंबे शॉट लेने की कोशिश की, हालांकि वे लक्ष्य से चूक गए। परिणाम के लिए अतिरिक्त समय भी दिया गया लेकिन इसका फायदा मिलान नहीं उठा सकी। विन्सेन्ज़ो इटालियानो के बोलोग्ना ने 1-0 से जीत हासिल की और कोपा इटालिया फ्रेकियारोसा को अपने नाम कर लिया।

जीत के बाद बोलोग्ना के कोच विन्सेन्ज़ो इटालियानो ने कहा, 'यह मेरे लिए फुटबॉल खेलने के बाद से सबसे बड़ी खुशी है, एक खिलाड़ी और एक कोच के रूप में। मैं तीन फाइनल में बाल-बाल हारने के बाद इस कप को आसमान तक उठाने में कामयाब रहा। मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश की। मैंने लड़कों से कहा कि हमने 51 साल बाद बोलोग्ना को खिताब दिलाया। यह मेरी पहली महत्वपूर्ण ट्रॉफी है और इसके लिए मैं बेहद खुश हूं।'

हार के बाद एसी मिलान के कोच सर्जियो कॉन्सेकाओ ने कहा, 'हार के बाद निराशा होती है। इस समय मैच के दौरान क्या गलत हुआ, इस पर मेरा ध्यान लगा हुआ है। मैं ये सोच रहा हूं कि हमने क्या गलत किया और क्या बेहतर हो सकता था। हमारे पास अभी 2 मैच हैं। हम आगे बेहतर खेल का प्रदर्शन करने की कोशिश करेंगे। मिलान को लोग इस खेल के प्रति गंभीर हैं और निश्चित रूप से हमारे प्रदर्शन का मूल्यांकन करेंगे।'

अर्शदीप को इंग्लैंड दौरे में मिल सकती है जगह

नई दिल्ली । बांए हाथ के युवा तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह को अगले माह होने वाले इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टीम में जगह मिलने की काफी संभावनाएं हैं। अर्शदीप ने पिछले कुछ समय में घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन किया है। वहीं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सीमित ओवरों के क्रिकेट में उनकी गेंदबाजी प्रभावी रही है, इसके अलावा बांए हाथ का गेंदबाज हर टीम अपने पास चाहती है जिससे भी उनकी मांग रहेगी। भारतीय टीम इंग्लैंड दौरे में पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेलेगी। ये भी अटकलें हैं कि अर्शदीप को अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी के विकल्प के तौर पर रखा जा सकता है। वहीं हर्षित राणा भारत ए टीम के साथ इंग्लैंड जाएंगे। पिछले कुछ समय में शमी का फॉर्म और फिटनेस एक बड़ी चिंता का कारण रहा है। आईपीएल में भी वह प्रभावित नहीं कर पाये हैं। ऐसे में अगर शमी को टीम में जगह नहीं मिलती है तो मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के जोड़ीदार के तौर पर अर्शदीप खेलते हुए दिखेंगे। अर्शदीप का आईपीएल के इस सत्र में प्रदर्शन अच्छा रहा है और वह पर्पल कैप के दावेदारों में भी शामिल हैं। भारत का इंग्लैंड दौरा 20 से 24 जून तक हेडिंग्ले, लीड्स में पहले टेस्ट के साथ शुरू होगा। इसके बाद दूसरा टेस्ट 2 से 6 जुलाई तक खेला जाएगा, तीसरा टेस्ट 10 से 14 जुलाई तक लंदन के लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड पर होगा। मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड में 23 से 27 जुलाई तक चौथा टेस्ट खेला जाएगा, जबकि पांचवां और अंतिम टेस्ट 31 जुलाई से 4 अगस्त तक लंदन के द ओवल में खेला जाएगा।

आईपीएल सत्र के बाद संन्यास ले सकते हैं धोनी

मुम्बई । नियमित कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ के चोटिल होने के कारण चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) की कप्तानी संभाल रहे महेन्द सिंह धोनी का प्रदर्शन आईपीएल के इस सत्र में अच्छा नहीं रहा है। वह फिटनेस समस्याओं से भी जूझते दिखे। इससे ये संकेत मिलते हैं कि धोनी इस सत्र के बाद शायद ही खेलते हुए दिखें। इस सत्र में सीएसके की टीम को प्रदर्शन भी बेहद खराब रहा और वह प्लेऑफ से भी शुरुआत में ही बाहर हो गयी। उसके बाद से ही धोनी ने कहा था कि अब टीम अगले सत्र के लिए प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की तलाश कर रही है। जो बताता है कि धोनी आईपीएल से संन्यास ले सकते हैं। वैसे भी धोनी की उम्र 43 साल हो गयी है और अब उनके खेल में पहले वाली बात नहीं रह गयी है। वह पिछले आईपीएल में भी मांसपेशियों में खिंचाव से पीड़ित रहे थे। चोट की वजह से धोनी की लय भी प्रभावित हुई है। टीम में अब नए खिलाड़ियों को शामिल किया जा रहा है जिसमें धोनी मेंटर की भूमिका निभा सकते हैं। उनका अनुभव सीएसके के भविष्य को आकार देने में महत्वपूर्ण होगा। दूसरी ओर, धोनी ऋतुराज को कप्तानी और फील्ड प्लेसमेंट के बारे में कुछ टिप्स सीखने में मदद कर सकते हैं। धोनी आईपीएल के इतिहास में 100 पारी में नाबाद रहने वाले एकमात्र बल्लेबाज हैं। धोनी के बाद सबसे ज्यादा बार नाबाद रहने वाले खिलाड़ी रविंद्र जडेजा हैं। जडेजा 80 बार ऐसा कमाल आईपीएल करियर में कर चुके हैं। वहीं तीसरे नंबर पर कायरन पोलार्ड हैं। वह 52 बार नाबाद रहे हैं।

ऑस्ट्रेलिया से मुकाबले में सावधान रहे : डिविलियर्स

जोहांसबर्ग । दक्षिण अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटर ए बी डिविलियर्स ने अपने देश की टीम से कहा है कि वह आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल (डब्लयूटीसी) में ऑस्ट्रेलिया से होने वाले मुकाबले को लेकर सावधान रहे। डिविलियर्स ने कहा है कि ऑस्ट्रेलियाई टीम को कभी भी हल्के में लेने की भूल नुकसानदेह रहेगी। साथ ही कहा कि जब भी उसे हावी होने का अवसर मिले उसका लाभ उठाये और ऑस्ट्रेलिया को उसी के आक्रामक अंदाज में जवाब दे। डब्लयूटीसी फाइनल मुकाबला 11 जून से लॉर्ड्स में खेला जाएगा। पूर्व कप्तान ने कहा भले ही इस बार हमारी टीम में अनुभव की कमी हो, फिर भी वह कमजोर नहीं है। इस मैच के लिए दक्षिण अफ्रीकी टीम में टोनी डी ज़ोरज़ी, ट्रिस्टन स्टब्स, रयान रिकेल्टन और कॉर्बिन बॉश जैसे युवा खिलाड़यों को शामिल किया है। विलियर्स ने कहा कि दक्षिण अफ्रीका के डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए क्वालीफाई करने पर सभी को कुछ हैरानी भी हुई क्योंकि उनकी टीम में अनुभव की कमी है हालांकि इसके बाद भी टीम में बेहर प्रदर्शन की क्षमता है। उन्होंने कहा कि हां, मुझे लगता है कि हम सभी के लिए आश्चर्य की बात है कि हम फाइनल के लिए क्वालीफाई करने में सफल रहे। मैं आश्चर्य इसलिए कह रहा हूं क्योंकि कि हमारी विरोधी ऑस्ट्रेलिया के पास काफी अनुभवी है। उसके पास टेस्ट मैच प्रारूप में सबसे अधिक अनुभव है और वह लगातार शीर्ष पर रहती हैं। वहीं हमारी टीम इस मामले में पीछे हैं। टीम इस बार कई युवा और अनुभवहीन खिलाड़ियों के होने के बाद भी कमाल का प्रदर्शन करने में सफल रही है। डी विलियर्स ने कहा कि जब भी उन्हें हावी होने का मौका मिले, उन्हें इसका लाभ उठाना चाहिए। उन्होंने कहा कि मैंने हमेशा पाया है कि उनके खिलाफ खेलने का सबसे अच्छा तरीका उन्हीं के अंदाज में जवाब देना है। इसका मतलब यह नहीं कि यह हर किसी के लिए काम करेगा। व्यक्तिगत रूप से, मुझे लगता है कि यह इसका सबसे अच्छा तरीका है।

नीरज चोपड़ा लेफ्टिनेंट कर्नल की मानद उपाधि से सम्मानित

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय सेना ने ओलंपिक पदक विजेता भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा को लेफ्टिनेंट कर्नल की मानद उपाधि से सम्मानित किया है। नीरज ने ओलंपिक में स्वर्ण और रजत पदक जीते हैं। इसके अलावा वह विश्व चैम्पियनशिप विजेता भी हैं। नीरज 26 अगस्त 2016 को नायब सूबेदार के रूप में भारतीय सेना में जूनियर कमीशंड अधिकारी के रूप में पहली बार शामिल हुए थे। इसके दो वर्ष बाद नीरज को एथलेटिक्स में शानदार प्रदर्शन के लिए अर्जुन पुरस्कार मिला और फिर 2021 में खेल रत्न से सम्मानित किया गया। इस वर्ष उन्हें सूबेदार के पद पर पदोन्नत किया गया। टोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने पर नीरज को 2022 में भारतीय सेना के सर्वोच्च शांतिकालीन सम्मान परम विशिष्ट सेवा पदक से सम्मानित किया गया। उन्हें टेरिटोरियल आर्मी में लेफ्टिनेंट कर्नल की मानद रैंक दी गई

भारतीय सेना ने इससे पहले भी कई प्रसिद्ध खिलाड़ियों को उनके खेल में उत्कृष्ट योगदान और राष्ट्र के प्रति समर्पण के लिए मानद सैन्य उपाधियाँ प्रदान की थीं।।

अभिनव बिंद्रा

निशानेबाज अभिनव बिंद्रा को टेरिटोरियल आर्मी में लेफ्टिनेंट कर्नल की मानद रैंक दी गई। ब्रिंदा ओलंपिक 2008 में 10 मीटर एयर राइफल में स्वर्ण पदक जीतने वाले पहले भारतीय व्यक्तिगत ओलंपिक चैंपियन रहे हैं।

कपिल देव

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कपिल देव को 2008 में टेरिटोरियल आर्मी में लेफ्टिनेंट कर्नल की मानद रैंक प्रदान की गई। यह सम्मान उनके क्रिकेट में योगदान और नेतृत्व के लिए दिया गया। कपिल की कप्तानी में ही साल 1983 में भारतीय टीम ने विश्वकप सहित कई अन्य खिताब जीते थे।

महेंद्र सिंह धोनी

पूर्व भारतीय क्रिकेट कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी को 2011 में 106 टेरिटोरियल आर्मी बटालियन (पैरा) में लेफ्टिनेंट कर्नल की मानद रैंक दी गई। वे एक योग्य पैराटूपर भी हैं, जिन्होंने पांच पैराशूट प्रशिक्षण कूद पूरी की। धोनी ने 2019 में कश्मीर में 15 दिन की स्वैच्छिक सेवा भी दी। धोनी की कप्तानी में भारतीय टीम ने 2011 विश्वप के अलावा कई अन्य आईसीसी खिताब भी जीते थे।

सचिन तेंदुलकर

महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर को 2010 में भारतीय वायु सेना ने ग्रुप कैप्टन की मानद उपाधि प्रदान की। यह सम्मान उनके क्रिकेट में अभूतपूर्व योगदान और युवाओं को प्रेरित करने के लिए दिया गया।

अल्काराज ने ड्रेपर को हरा कर सेमीफाइनल में जगह बनाइ

रोम । कार्लोस अल्काराज ने रोम में अपनी उतार-चढ़ाव भरी यात्रा जारी रखी और बुधवार को जैक ड्रेपर को सीधे सेटों में हराकर इंटरनैशनली बीएनएल डी 'इटालिया के सेमीफाइनल में पहुंच गए। स्पेन के इस खिलाड़ी ने क्ले एटीपी मास्टर्स 1000 में ड्रेपर को 6-4, 6-4 से हराया। अल्काराज ने कैम्पो सेंट्रल पर पहला सेट जीतने के लिए 2-4 से वापसी की। इसके बाद उन्होंने दूसरे सेट में शुरुआती ब्रेक की बढ़त खो दी, लेकिन एक घंटे, 38 मिनट तक चले क्वार्टर फाइनल में जीत हासिल की। वर्ष की अपनी दूसरी मास्टर्स 1000 ट्रॉफी (मोंटे-कार्लो के बाद) के लिए ट्रैक पर बने रहने के साथ-साथ, ड्रेपर के खिलाफ अल्काराज की जीत ने यह भी सुनिश्चित किया कि वह सोमवार को एटीपी रैंकिंग में अलेक्जेंडर ज्वेरेव से आगे बढ़कर नंबर 2 पर पहुंच जाएंगे। इससे 22 वर्षीय खिलाड़ी को आगामी रौलां गैरो के लिए दूसरे सीड के रूप में भी जगह मिल जाएगी, जहां वह गत विजेता है। दूसरी सीड के रूप में, अल्काराज को क्ले मेजर में विश्व नंबर 1 जानिक सिनर के विपरीत ड्रॉ में होना तय है। 2025 की अपनी टूर-लीडिंग 28वीं जीत के साथ, अल्काराज अपने दूसरे प्रदर्शन में पहली बार रोम सेमीफाइनल में पहुंचे। वहां उनका प्रतिद्वंद्वी गत विजेता और दूसरे सीड ज्वेरेव या घरेलू पसंदीदा लोरेंजो मुसेट्टी होगा। जैसा कि उन्होंने अपने पिछले दो मैचों में लासलो जेरे और करेन खाचानोव के खिलाफ किया था, अल्काराज ने ड्रेपर के खिलाफ ऐसा प्रदर्शन किया जो शॉटमेकिंग की चमक और चूक के बीच नाटकीय रूप से उतार-चढ़ाव भरा रहा, जिससे उनके प्रतिद्वंद्वी को मुश्किल स्थितियों से बचने का मौका मिला। फिर भी अल्काराज ने पांचवीं वरीयता प्राप्त ब्रिटिश खिलाड़ी को रोकने के लिए आवश्यक स्थिरता पाई।

आईपीएल फाइनल कोलकाता में ही आयोजित किये जाने के पक्ष में सीएबी

मुम्बई । इंडियन प्रीमियर लीग 17 मई से फिर शुरु होने जा रहा है पर भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने इसमें फाइनल सहित प्लेऑफ्स के मैच स्थलों को लेकर कोई घोषणा नहीं की है। ऐसे में माना जा रहा है कि बारिश की संभावना को देखते हुए फाइनल को कोलकाता की जगह कहीं और रखा जा सकता है। वहीं बंगाल क्रिकेट संघ (सीएबी) फाइनल को अपने यहां ही आयोजित कराने के पूरे प्रयास कर रहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार सीएबी ने इसी लेकर मौसम विज्ञान केंद्र से भी बात की है। इकसे बाद जो रिपोर्ट, जो बीसीसीआई को सौंपी गई है, उसमें साफ कहा गया है कि इस तरह की भविष्यवाणी करना अभी जल्दबाजी होगी और 25 मई के आसपास ही पता चल सकेगा कि मौसम कैसा रहेगा। सीएबी ने दिल्ली में भारतीय मौसम विभाग से भी संपर्क किया। उन्होंने भी इसी तरह का जवाब दिया और इसी को देखते हुए उसने बीसीसीआई से फाइनल का स्थल नहीं बदलने की अपील की है। सीएबी के अधिकारियों का कहना है कि मौसम की भविष्यवाणी के आधार पर आईपीएल खेलों को कोलकाता से बाहर ले जाना सही नहीं है। उसे उम्मीद है कि बीसीसीआई रिपोर्ट को देखने के बाद ही कोई फैसला करेगा।

टेनिस प्रशंसक पोप लियो 14वें दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर से मिले

वेटिकन सिटी । पोप लियो 14वें ने बुधवार को दुनिया के नंबर एक टेनिस खिलाड़ी यानिक सिनर से मुलाकात की। इटैलियन ओपन में विश्राम के दिन सिनर ने बुधवार को नए पोप से मुलाकात के दौरान उन्हें टेनिस रैकेट दिया और उनके साथ खेलने की पेशकश की। पहले अमेरिकी पोप लियो टेनिस खिलाड़ी और प्रशंसक हैं। उन्होंने इस सप्ताह की शुरुआत में एक पत्रकार के सुझाव पर कहा था कि वह चैरिटी मैच खेलने के लिए तैयार हैं। लेकिन उस समय लियो ने मजाक में कहा था कि हम सिनर को आमंत्रित नहीं कर सकते।' यह संभवत: सिनर के उपनाम के संदर्भ में था जिसका अंग्रेजी में अर्थ 'पापी' होता है। वेटिकन के सभागार में अपने माता-पिता के साथ पहुंचे सिनर ने इतालवी में कहा कि यह सम्मान की बात है। अपना एक रैकेट पकड़कर पोप लियो को दूसरा रैकेट और एक गेंद देते हुए सिनर ने उन्हें एक वॉली खेलने का सुझाव दिया लेकिन पोप ने आसपास की प्राचीन वस्तुओं को देखा और कहा कि बेहतर होगा कि ऐसा नहीं करें। शिकागो के 69 वर्षीय लियो ने इसके बाद अपनी सफेद पोशाक और विंबलडन के लिए इसकी उपयुक्तता के बारे में मजाक किया। ऑल इंग्लैंड क्लब के नियम के अनुसार आपको सफेद कपड़े पहनकर खेलना होता है।

केकेआर के मेंटर ड्वेन ब्रावो सहित ये खिलाड़ी लौटे भारत, आईपीएल 2025 के शेष सत्र में लेंगे हिस्सा

मुंबई (एजेंसी)। कोलकाता नाइट राइडर्स के मेंटर ड्वेन ब्रावो और रोमेरियो शेफर्ड सहित वेस्टइंडीज के कुछ अन्य खिलाड़ी इंडियन प्रीमियर लीग के फिर से शुरू होने से पहले भारत लौट आए हैं। आईपीएल 17 मई को बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच मैच के साथ फिर से शुरू होगा।

वेस्टइंडीज के स्टार ब्रावो ने चेन्नई सुपर किंग्स के लिए एक स्टार खिलाड़ी के रूप में कई साल खेले और अपनी बेहतरीन मध्यम गति की गेंदबाजी और निचले क्रम की पावर-हिटिंग से महत्वपूर्ण योगदान दिया। एक खिलाड़ी के रूप में संन्यास लेने के बाद उन्होंने पहले सीएसके में गेंदबाजी कोच के रूप में आईपीएल में बने रहै और फिर केकेआर में मेंटर के रूप में शामिल हुए।

उन्होंने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक वीडियो के साथ आईपीएल के शेष भाग के लिए भारत लौटने की पुष्टि की। वीडियो में ब्रावो को एक हवाई अड्डे पर इलेक्ट्रिक वाहन में बैठे हुए दिखाया गया है और जब उनसे पूछा जाता है कि वे कैसे हैं (हिंदी में) तो वह कहते हैं, 'हम वापस आ गए हैं।' केकेआर के विदेशी सितारे आंद्रे रसेल और सुनील नरेन भी ब्रावो की इंस्टाग्राम स्टोरी पर देखे गए।

भारत और पाकिस्तान के बीच हिंसक संघर्ष के कारण 9 मई को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 को निलंबित किए जाने के बाद ब्रावो अन्य विदेशी खिलाड़ियों और सहयोगी कर्मचारियों के साथ भारत छोड़कर चले गए थे। भारत ने पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा निर्दोष 26 पर्यटकों को जान से मारने के प्रतिशोध में ऑपरेशन सिंदूर के हिस्से के रूप में पाकिस्तान में आतंकवादी ठिकानों को निशाना बनाया था।

ऑपरेशन सिंदूर के जवाब में पाकिस्तान ने उत्तरी और पश्चिमी सीमा पर कुछ भारतीय शहरों पर मिसाइलों और ड्रोन से हमला किया। देश के उत्तरी और पश्चिमी हिस्सों के सभी हवाई अड्डे बंद कर दिए गए। लेकिन दोनों देशों के बीच युद्ध विराम पर सहमति के बाद बीसीसीआई ने आईपीएल 2025 को फिर से शुरू करने की घोषणा की, फ्रेंचाइजी ने विदेशी खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ को आईपीएल के बाकी मैचों के लिए भारत लौटने का जरूरी संदेश भेजा है।

केकेआर को लीग चरण में दो मैच खेलने हैं। 17 मई को आरसीबी के साथ खेलने के बाद वे 26 मई को नई दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में सनराइजर्स हैदराबाद से भिड़ेंगे। हालांकि ब्रावो भारत वापस आ गए हैं जबकि राशिद खान जैसे कुछ खिलाड़ी देश से बाहर नहीं गए हैं, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका के कुछ खिलाड़ी भारत लौटने के लिए अनिच्छुक हैं क्योंकि उन्हें अभी भी अपनी सुरक्षा को लेकर चिंता है। ऑस्ट्रेलिया के जैक फ्रेजर-मैकगर्क ने पहले ही आईपीएल 2025 में फिर से शामिल होने से इनकार कर दिया है।

अनुपम खेर की तन्वी द ग्रेट में मेजर श्रीनिवासन का किरदार निभाएंगे अरविंद स्वामी

अभिनेता से निर्देशक बने अनुपम खेर इन दिनों अपनी पहली निर्देशित फिल्म 'तन्वी द ग्रेट' को लेकर लगातार चर्चाओं में बने हुए हैं। फिल्म में लगातार नए-नए एक्टर्स की एंट्री हो रही है। जिनका अनुपम खेर स्वागत कर रहे हैं। इयान ग्लेन, बोमन ईरानी और जैकी श्रॉफ के बाद अब अनुपम खेर की फिल्म में एक और एक्टर की एंट्री हुई है। जिसकी जानकारी अनुपम खेर ने खुद दी है।

अनुपम खेर ने अरविंद स्वामी को बताया भरोसेमंद दोस्त

अनुपम खेर ने अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट के माध्यम से ये जानकारी दी है कि एक्टर अरविंद स्वामी की फिल्म 'तन्वी द ग्रेट' में एंट्री हुई है। अरविंद स्वामी फिल्म में मेजर श्रीनिवासन की भूमिका निभाएंगे। अनुपम ने अरविंद स्वामी का पोस्टर शेयर करते हुए इंस्टाग्राम पर लिखा, पहली बार मैंने अरविंद स्वामी को रोजा में देखा था। मैं इस नए अभिनेता के अभिनय से दंग रह गया। फिर मैंने उन्हें फिल्म बॉम्बे में देखा। मेरे लिए, वह भारतीय फिल्म इंडस्ट्री में एक शानदार अभिनेता का आगमन था। बहुत सालों बाद में हमने एक फिल्म की 'सात रंग के सपने'। इस फिल्म के दौरान मुझे जीवन भर के लिए सबसे भरोसेमंद और विश्वसनीय दोस्त मिला।

कई सालों तक याद किया जाएगा मेजर श्रीनि का किरदार

निर्देशक अनुपम खेर ने आगे अरविंद स्वामी की भूमिका के बारे में बात करते हुए लिखा, जब मैं 'तन्वी द ग्रेट' के लिए मेजर श्रीनिवासन की भूमिका के लिए किसी अभिनेता को चुनना चाहता था, तो मेरे दिमाग में कोई और नहीं आया। फिल्म में उन्हें मेजर श्रीनि कहा गया है, जो ताकत, साहस और बहादुरी का पावरहाउस है। अरविंद के प्रदर्शन ने मुझे गौरवान्वित महसूस कराया। ठीक वैसे ही जैसे भारतीय सेना हम सभी को सुरक्षित, संरक्षित और प्रतिष्ठित महसूस कराती है। स्वामी आपकी दोस्ती, मुझ पर विश्वास और आपकी प्रतिभा के लिए धन्यवाद। आप न केवल एक बेहतरीन अभिनेता हैं, बल्कि एक बेहतरीन दोस्त भी हैं। मेजर श्रीनि का आपका किरदार आने वाले कई सालों तक याद रखा जाएगा। जय हिंद।

बोमन ईरानी और जैकी श्रॉफ भी निभाएंगे अहम भूमिकाएं

अनुपम खेर द्वारा निर्देशित 'तन्वी द ग्रेट' में शुभांगी दत्त प्रमुख भूमिका निभा रही हैं। जबकि फिल्म में बोमन ईरानी, जैकी श्रॉफ और गेम ऑफ थ्रोन्स के एक्टर इयान ग्लेन भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। हालांकि, फिल्म की रिलीज डेट का एलान अभी नहीं किया गया है।

राजकुमार राव की पत्नी कहलाना पत्रलेखा को नहीं पसंद

अपनी हालिया रिलीज 'फुले' को लेकर चर्चाओं में रहीं अभिनेत्री पत्रलेखा को अभिनेता राजकुमार राव की पत्नी के नाते ज्यादा पहचाना जाता है। जो कि पत्रलेखा को बिल्कुल भी पसंद नहीं है। खुद पत्रलेखा ने इस बात को स्वीकार किया कि उन्हें राजकुमार राव की पत्नी के नाम से पहचाना जाना बिल्कुल भी पसंद नहीं है।

मेरा एक नाम है अस्तित्व है

बातचीत में अभिनेत्री पत्रलेखा ने इस बारे में बात की। जिसमें उन्होंने शादी के बाद राजकुमार राव की पत्नी के तौर पर अधिक पहचान मिलने से नाराजगी जताई है। अभिनेत्री ने कहा, मुझे इससे वाकई नफरत है और मैं खुद को बहुत छोटा महसूस करती हूं। क्योंकि मेरा एक नाम है। मेरा एक अस्तित्व है। मेरी एक पहचान है। लेकिन एक मशहूर पति की आड़ में ये सबकुछ छुप जाता है।

मेरा संघर्ष अभी खत्म नहीं हुआ

अपने करियर को लेकर बात करते हुए अभिनेत्री ने कहा, मेरे करियर में संघर्ष अभी खत्म नहीं हुआ है। कई लोगों को लगता है कि मेरा सफर आसान रहा होगा क्योंकि मैं किसी जाने-माने अभिनेता को डेट कर रही थी या अब उससे शादी हो चुकी है। लेकिन ऐसा नहीं है। यदि आप खुद को एक व्यक्ति के रूप में स्थापित करने की कोशिश कर रहे हैं तो यह कभी भी आसान नहीं होता। अपना खुद का करियर ग्राफ बनाना, यह बहुत कठिन है।

मेकर्स राजकुमार राव को कास्ट करने के इरादे से मेरे पास स्क्रिप्ट लाते हैं

पत्रलेखा ने आगे बताया कि कैसे लोग उनके पास स्क्रिप्ट इसलिए लाते हैं क्योंकि वो राजकुमार राव को फिल्म में लाने में मदद करेंगी। अभिनेत्री ने कहा, लोग अक्सर मेरे पास फिल्म की स्क्रिप्ट लेकर आते हैं, इसलिए नहीं कि वे वाकई मुझे प्रोजेक्ट में चाहते हैं। बल्कि इसलिए कि उन्हें उम्मीद है कि मैं राजकुमार राव के लिए एक पुल का काम करूंगी। मेकर्स अक्सर मेरी प्रतिभा में दिलचस्पी दिखाने के बजाय मेरे पति को कास्ट करने के छिपे हुए इरादे से मेरे पास आते हैं। इस तरह का व्यवहार बेहद अपमानजनक लगता है। यह मेरी गरिमा के खिलाफ है। मैंने हमेशा अपने करियर और राजकुमार के बीच एक लाइन बना रखी है।

मीडिया और इंडस्ट्री से की अपील

पत्रलेखा ने मीडिया और इंडस्ट्री से भी एक अपील की कि उन्हें केवल एक लेबल तक सीमित न रखा जाए। वह कभी भी इस तरह से देखे जाने में सहज महसूस नहीं करेंगी और जब तक संभव हो, इसका विरोध करती रहेंगी।

'फुले' में नजर आई थीं पत्रलेखा

पत्रलेखा हाल ही में 'फुले' फिल्म में नजर आई थीं। यह फिल्म समाज सुधारक ज्योतिराव और सावित्रीबाई फुले के जीवन पर आधारित है। इससे पहले वो अनुभव सिन्हा की वेब सीरीज 'आईसी 814 कंधार हाईजैक' में एयरहोस्टेस के किरदार में दिखाई दी थीं। पत्रलेखा ने अपने करियर में कई चुनौतीपूर्ण किरदार निभाए हैं।

फर्जी 2 के लिए शाहिद कपूर ने ली 45 करोड़ रुपए फीस

हिद कपूर पिछली बार पूजा शा हेगड़े कर साथ फिल्म देवा में नजर आए थे, जिसमें उनके काम को काफी सराहा गया। हालांकि, यह बॉक्स ऑफिस पर कुछ कमाल नहीं दिखा सकी। आने वाले समय में शाहिद एक से बढ़कर एक फिल्मों में नजर आएंगे। इसके अलावा उनके पास वेब सीरीज फर्जी का सीक्वल भी है। अब शाहिद की फीस का खुलासा हो गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक... फर्जी 2 के लिए निर्माताओं की तरफ से शाहिद को 45 करोड़ रुपए का भुगतान किया गया है। खास बात यह है कि यह राशि अब तक किसी भी प्रोजेक्टर के लिए मिली शाहिद के करियर की सबसे बड़ी रकम है। फर्जी 2 की कहानी लिखी जा चुकी है। इस साल के अंत तक शाहिद इसकी शूटिंग शुरू कर देंगे। यह सीरीज अगले साल के मध्य तक ओटीटी प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी। राज और डीके ने फर्जी 2 के निर्देशन की कमान संभाली है। इसमें शाहिद का सामना विजय सेतुपति और केके मेनन से होगा। बता दें कि फर्जी का पहला भाग साल 2023 में रिलीज हुआ था, जिसे काफी पसंद किया गया। ये एक ग्राफिक आर्टिस्ट सनी की कहानी है, जो अपने दादा की प्रिंटिंग प्रेस को बचाने के लिए नकली नोट छापने की दुनिया में कदम रखता है।

सामंथा ने निर्देशक राज निदिमोरु संग किया रिश्ता कन्फर्म!

सामंथा रुथ प्रभु इन दिनों अपनी लव लाइफ को लेकर सुर्खियों में हैं। हाल ही में उनका नाम निर्देशक राज निदिमोरू के साथ जोड़ा जा रहा है। इस बीच सामंथा ने सोशल मीडिया पर कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिनमें राज निदिमोरु भी नजर आ रहे हैं। इसके बाद से ही यूजर्स का दावा है कि दोनों ने अपने रिश्ते की पुष्टि कर दी है। दरअसल, यह तस्वीरें सामंथा रुथ प्रभु ने अपने इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं। तस्वीरों में राज मुस्कुराते हुए नजर आ रहे हैं और एक डॉगी उनके साथ खेल रहा है। जबकि दूसरी तस्वीर में सामंथा और राज एक साथ सेल्फी के लिए पोज देते नजर आ रहे हैं। इसके कैप्शन में एक्ट्रेस ने लिखा, 'सफर लंबा था, लेकिन आखिरकार हम यहां तक पहुंच ही गए । एक नई शुरुआत।' सामंथा और राज निदिमोरु साथ में द फैमिली मैन और सिटाडेल- हनी बनी जैसे प्रोजेक्ट्स में काम कर चुके हैं। दोनों को पिकलबॉल टीम चेन्नई सुपर चैंप्स के साथ भी देखा गया था। इसके बाद से ही उनके रिश्ते को लेकर खबरें आने लगी थीं। हालांकि, अब तक दोनों ने इस बारे में कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। सामंथा रुथ प्रभु इन दिनों फिल्म शुभम का जोर-शोर से प्रमोशन कर रही हैं। यह बतौर प्रोड्यूसर उनकी पहली फिल्म होगी।

ओप्पम के रीमेक के लिए सैफ सीखेंगे कलारीपयट्ट

सैफ अली खान मलयालम की सुपरहिट थ्रिलर फिल्म ओप्पम के हिंदी रीमेक में मुख्य भूमिका निभाएंगे। इस फिल्म का निर्देशन जाने-माने निर्देशक प्रियदर्शन करेंगे और इसकी शूटिंग इसी साल के अंत तक शुरू होने की संभावना है। फिल्म में सैफ एक नेत्रहीन व्यक्ति का किरदार निभाएंगे और इस भूमिका को प्रामाणिकता देने के लिए वह पारंपरिक भारतीय मार्शल आर्ट कलारीपयडू भी सीखेंगे।

सैफ की यह ट्रेनिंग इस चुनौतीपूर्ण भूमिका के प्रति उनकी कमिटमेंट को दर्शाता है, जिसमें फिजिकल स्किल और इमोशनल इंटेंसिटी दोनों की जरूरत है। एक रिपोर्ट के अनुसार सैफ, राहुल ढोलकिया की फिल्म पूरी करने के बाद दो महीने का ब्रेक लेंगे। इस इस दौरान वह नेत्रहीन व्यक्ति का किरदार निभाने की तैयारी के लिए वर्कशॉप में भाग लेंगे। इसके बाद, वह कलारीपयडू सीखने के लिए केरल जाएंगे, क्योंकि उनका किरदार एक कुशल मार्शल आर्टिस्ट का है। मूल फिल्म ओप्पम में मोहनलाल का किरदार अपनी तेज सूंघने, सुनने और छूने की क्षमता के जरिए रहस्य को सुलझाता है और सैफ भी हिंदी रीमेक में उसी परफेक्शन को लाने के लिए कमिटेड हैं। वह इसमें इंटेंस एक्शन सीक्वेंस करते दिखेंगे।

ओप्पम जयरामन नाम के शख्स की कहानी बताती है, जो नेत्रहीन है और एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश की बेटी की रक्षा करता है, जिसकी हत्या उस व्यक्ति ने की है जिसे न्यायाधीश ने एक जुर्म के लिए सजा सुनाई थी। हिंदी रीमेक का निर्देशन करने के साथ ही प्रियदर्शन इसकी राइटिंग भी कर रहे हैं।

वीरता की गाथा के साथ बड़ा मैसेज भी देगी केसरी वीर, इतिहास के सबसे अहम अध्याय को समर्पित

जल्द ही प्रिंस धीमान निर्देशित फिल्म 'केसरी वीर' में सुनील शेट्टी एक योद्धा का किरदार निभाते नजर आएंगे। यह फिल्म सोमनाथ मंदिर पर हुए हमले की एक ऐतिहासिक कहानी कहेगी। कैसे कुछ योद्धाओं ने सोमनाथ मंदिर की रक्षा की थी, यही फिल्म की कहानी है। यह पहली बार नहीं है कि सुनील शेट्टी किसी एक्शन फिल्म कर हिस्सा बन रहे हों, वह अपने करियर में कई एक्शन फिल्म कर चुके हैं।

आपका किरदार इतिहास से है। इसके लुक पर क्या सावधानियां रखीं?

वेगड़ा जी शिव भक्त योद्धा हैं, जिनके रुद्राक्ष, माला, केश, दाढ़ी और खास वेशभूषा उनकी पहचान हैं। पूरी फिल्म में एक ही कपड़े पहने यह किरदार आम शिवभक्त या भील राजा जैसा दिखता है। पिता के रूप में नियंत्रित, पर मुगलों के खिलाफ आक्रामक योद्धा के रूप में नजर आता है।

कहीं से कोई किरदार था, जिससे इत्पायर होकर इसे आपने निभाया?

हमने महाभारत के शूरवीरों से प्रेरित होकर भी वेगड़ा जी का किरदार डिजाइन किया है। क्लाइमैक्स में वह कालजयी रूप लेता है। वरना पूरी फिल्म में नियंत्रित दिखने वाला यह किरदार, अंत में अपने गुस्से के विस्फोट से सुनील शेट्टी नहीं, सिर्फ वेगड़ा जी के रूप में ही पहचाना जाएगा।

क्या यह भी जेहन में था कि इसका स्केल बहुत बड़ा रखा जाए?

बजट की कमी के बावजूद, हमने प्रामाणिक कैमरा वर्क, कॉस्ट्यूम, बैकग्राउंड स्कोर और शूटिंग से स्केल बनाए रखा। फिल्मसिटी के जंगलों को वॉर जोन जैसा बनाकर, कंकड़-पत्थरों और पेड़ों के बीच असली एक्शन सीक्वेंस शूट किए गए हैं। इसका मकसद वेगड़ा जी और हमीरजी गोहिल के वास्तविक गोरिल्ला युद्ध शैली को दिखाना है, जैसे उन्होंने विदेशी आक्रमणकारियों का सामना किया था। हमने जंगलों को जस का तस रखा।

शांत रोल्स के विपरीत, वेगड़ा के ललकार वाले सीन में आपने क्या सोचा था?

करो या मरो वाली स्थिति में गुस्सा स्वाभाविक है, जैसा बॉर्डर में भी था। मौत के तांडव में इंसान का आक्रामक रूप दिखता ही है। वेगड़ा जी की जगह खुद को रखकर, दुश्मन को मारने के सिवा कोई और विकल्प नहीं सूझा। एक्शन के साथ आंखों में गुस्सा लाना जरूरी था। डबिंग में आंसू थे, क्योंकि पिता अपनी बेटी को कुछ न दे पाने की हालत में जान तक देने को तैयार था।

क्या फिल्म में कोई मैसेज भी है?

हमारी फिल्म का यही संदेश है कि हमें बंटना नहीं है, एकजुट रहना है क्योंकि उस दौर में वेगड़ा जी जैसे वफादार योद्धा तो थे लेकिन कई राजा दुश्मनों से मिल गए और उनके मुखबिर बन गए, जिसका नतीजा सबको पता है।

नैरटिव की ऐतिहासिक सटीकता कितनी है?

हमारे डायरेक्टर प्रिंस धीमान बहुत सच्चे रहे हैं, हर पहलू को लेकर। सोमनाथ मंदिर पर दर्जन भर से ज्यादा बार हमले हुए। उसमें से जो चौथी बार का हमला था, हमारी कहानी उस बारे में है। युद्ध के स्केल को बड़ा दिखाने के लिए जरूर क्रिएटिव कोशिशें हुई हैं, मगर जो वेगड़ा जी का अपनी बेटी के प्रति एक बेपनाह प्यार था, वह बिल्कुल सच्चा रखा गया है।

सी बी एस सी बोर्ड के नतीजे घोषित! सरवन स्कूल के छात्रों ने संस्थान का नाम किया रोशन

मरुधर विशेष सुनीता सैनी

बावल सीबीएसएस सी नईदिल्ली ने 10वीं और 12वीं कक्षाओं बोर्ड परीक्षा मे छात्राओ नें किया उत्कृष्ट प्रदशन परिणामों में सरवन स्कूल के छात्रों ने अच्छा प्रदर्शन किया। 12वीं कक्षा में क्रमशः राखी पुत्री प्रवीण कुमार प्रथम , कुशाल पुत्र विनोद द्वितीय तथा स्नेहा व माधव ने तृतीय स्थान प्राप्त किया । इसी तरह कक्षा 10वीं में क्रमशः मयंक पुत्र मनोज प्रथम , प्रतीक्षा पुत्री श्री नितिन ढिल्लन द्वितीय तथा आलोक पुत्र सुनील कुमार ने तृतीय स्थान प्राप्त किया । इसके अतिरिक्त वंदिता पुत्री अशोक कुमार तथा नितेश पुत्र श्री सुखविंदर ,मनस्वी पुत्री श्री अशोक कुमार,प्रदीप मौर्य आदि का परीक्षा परिणाम भी उल्लेखनीय रहा ।स्कूल के चेयरमैन श्री जितेंद्र यादव और चेयरपर्सन डॉ आशा यादव ने कड़ी मेहनत करने वाले शिक्षकों सहित सभी छात्रों और अभिभावकों को बधाई दी। परीक्षा में अव्वल रहने वाले सभी विद्यार्थियों व उनके अभिभावकों का फूल माला पहनाकर सम्मान किया तथा मिठाई भी खिलाई गई।इस अवसर पर प्रिंसिपल अतुल कुमार ने सभी उपलब्धि हासिल करने वालों को बधाई दी और आगे उम्मीद की कि छात्र आने वाले समय में अधिक से अधिक उपलब्धियां हासिल करने की अपनी यात्रा जारी रखेंगे ।

भारतीय किसान संघ टिब्बी की मासिक बैठक सम्पन्न, नकली खाद प्रकरण में आरोपितों पर कार्रवाई की मांग, सौंपा ज्ञापन

मरुधर विशेष

हनुमानगढ़ (प्रभु राम) भारतीय किसान संघ की मासिक बैठक गुरुवार को तहसील अध्यक्ष मनोहर लाल धारणियां की अध्यक्षता में अनाज मंडी टिब्बी में आयोजित हुई।बैठक में सर्वप्रथम संगठन कार्यकर्ताओं द्वारा दो मिनट का मौन रखकर पहलगाम और ऑपरेशन सिन्दूर में शहीद हुए जवानों को श्रद्धांजलि दी गई।तत्पश्चात विभिन्न किसान समस्याओं पर विचार विमर्श किया गया।किसानों द्वारा क्षेत्र के सक्रिय नकली खाद गिरोह को लेकर गहरी चिंता व्यक्त की।नकली खाद बीज पेस्टिसाइड्स खेती किसानी के साथ खिलवाड़ है।बैठक उपरान्त नकली डीएपी खाद प्रकरण में पकड़े गये दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही करने की मांग को लेकर उपखंड अधिकारी को ज्ञापन सौंपा।इसके अलावा खरीफ़ सीजन में ग्राम सेवा सहकारी समितियों पर व बाजार में पर्याप्त मात्रा खाद बीज उपलब्ध करवाने तथा सीजन के दौरान खाद एवं उर्वरक के साथ अन्य बिना जरूरत के उत्पाद जबरदस्ती थोंपने पर पाबंद करने की मांग रखी।इस दौरान जिला उपाध्यक्ष जगदेव सिंह खोसा, तहसील मंत्री गौरी शंकर चाहर, ओम नीमड़ा,जीतराम उत्तम, रविन्द्र गोदारा, विनय मक्कड़, प्रदीप गोदारा आदि उपस्थित रहे।

टिब्बीः एसडीएम को ज्ञापन सौंपते हुए भाकिस के पदाधिकारी।(प्रभु राम)

आपादा प्रबंधन को दिया गया प्रशिक्षण

मरुधर विशेष

हनुमानगढ़ प्रभु राम) राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सलेमगढ़ में गुरुवार को जिला आपदा प्रबंधन समिति के सदस्यों के द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया गया आपदा प्रबंधन समिति के सदस्य बलकार सिंह, भूपेंद्र सिंह तथा उनकी टीम ने गांव सलेमगढ़ मसानी के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में उपस्थित नागरिकों स्थानीय आपदा प्रबंधन समिति के सदस्यों विद्यालय के स्टाफ तथा छात्र छात्राओं को आपदा की स्थिति में किए जाने वाले कार्यों का प्रशिक्षण प्रदान किया जिसमें फर्स्ट एड, घायल व्यक्ति की देखभाल, आग लगने की स्थिति में प्राथमिक कार्य सीपीआर, तथा आग बुझाने का प्रशिक्षण दिया गया इस दौरान प्रधानाचार्य शिव कुमार विश्नोई , रफीक खान, सुभाष मांडन, देवराज जोशी चिकित्सा विभाग के कर्मचारी सहित दर्जनों ग्रामीण मौजूद थे।

ग्राम पंचायत सौंखर में रात्रि चौपाल का आयोजनः ग्रामीणों की समस्याओं को सुना और उनके समाधान के लिए किया आश्वस्त

मरुधर विशेष

कठूमर (दिनेश लेखी)। उपखंड क्षेत्र की ग्राम पंचायत सौंखर में बुधवार रात्रि को उपखण्ड अधिकारी श्याम सुंदर चेतीवाल की अध्यक्षता में आयोजित रात्रि चौपाल में जन समस्याओं के सुना और समस्याओं का मौके पर निस्तारण हेतु संबंधित ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों से जानकारी प्राप्त कर समस्याओं के निस्तारण हेतु निर्देशित किया। रात्रि चौपाल के दौरान कई परिवाद दर्ज हुए जिनमें साफ़ सफाई, बिजली पानी आपूर्ति, पट्टे दिलवाने, रास्ते खुलवाने, अतिक्रमण संबंधी विभिन्न शिकायते प्राप्त हुई, जिन्हें मोके पर संबंधित विभाग अधिकारियों को त्वरित निस्तारित करने के आदेश प्रदान किए गए । इस मौके पर समस्त विभागों के ब्लॉक स्तरीय अधिकारी गण मौजूद रहे।

'सीवरेज बना मुसीबतः हर गली बना तालाब, हर सड़क बना खतरा'
सीवरेज कार्य के नाम पर गडडों और गंदगी का राज, नागरिक बेहाल

मरुधर विशेष

कोटपूतली, विशेष संवाददाता (सीताराम गुप्ता) कोटपूतली शहर इन दिनों 'विकास' के नाम पर ऐसी खुदाई और उथल-पुथल से गुजर रहा है कि जनजीवन पूरी तरह से अस्त-व्यस्त हो चुका है। सीवरेज कार्य की धीमी और लापरवाह गति ने न सिर्फ सड़कों को बर्बाद किया है, बल्कि नागरिकों के सब्र की भी परीक्षा ले ली है। हर ओर गड्ढे, कीचड़ और बहती नालियों का नज़ारा आम हो चला है, लेकिन जिला प्रशासन अब तक गहरी नींद में सोया प्रतीत हो रहा है।

गढ़ कॉलोनी का रास्ता बना वाटर पार्क

गढ़ कॉलोनी से हाईवे को जोड़ने वाला रास्ता जो तीन निजी अस्पतालों की ओर भी जाता है, पूरी तरह से दलदल में तब्दील हो चुका है। मरीजों और आम राहगीरों को जान हथेली पर रखकर इस रास्ते से गुजरना पड़ता है। सड़क की स्थिति देखकर अब बच्चे इसे वाटर पार्क कहने लगे हैं – फर्क सिर्फ इतना है कि यहां न टिकट लगता है और न ही सुरक्षा मिलती है।

प्रशासन की चुप्पी बनी पहेली

शिकायतें करने के बावजूद न तो कोई निरीक्षण हुआ, न कोई मरम्मत कार्य शुरू हुआ। जनता पूछ रही है कि क्या शहर के हालातों को सुधारना अब किसी की जिम्मेदारी नहीं है? क्या प्रशासन मानसून के आने का इंतजार कर रहा है ताकि हालात और बदतर हो सकें?

जनता त्रस्त, प्रशासन मस्त

सोशल मीडिया पर इन हालातों को लेकर मीम्स और व्यंग्य की बाढ़ आई हुई है, लेकिन जमीनी हालात में सिर्फ पानी की बाढ़ नजर आती है। अब देखना यह है कि प्रशासन कब तक इस स्थिति से आंखें मूंदे रहेगा और कब कोटपूतली को साफ-सुथरी और गड्ढामुक्त सड़कें मिलेंगी।

स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश

स्थानीय निवासी प्रशासन की उदासीनता से क्षुब्ध हैं। एक नागरिक ने कटाक्ष करते हुए कहा, "शहर का हाल देखकर लगता है कि अगला ओलंपिक अगर वाटर स्पोर्ट्स में हो, तो मेज़बानी कोटपूतली ही करेगा।"

गड्ढों से पहचानिए गली, GPS की छुट्टी

शहर की सड़कों की हालत यह हो चुकी है कि लोग अब गड्ढों की गिनती से रास्ते पहचानते हैं। वाहन चालकों को आए दिन दुर्घटनाओं का सामना करना पड़ रहा है, लेकिन नगर परिषद और जिला प्रशासन की ओर से अब तक कोई प्रभावी कार्यवाही नहीं की गई है।

बानसूर में जिले का प्रथम जनता क्लिनिक का शुभारंभः विधायक ने फीता काटकर उद्घाटन किया, शहर को लोगों को मिलेगा लाभ : देवीसिंह शेखावत

मरुधर विशेष

बानसूर सुरेश कुमार सैनी बानसूर ।विधायक देवीसिंह शेखावत ने गुरुवार को कस्बे के नारायणपुर रोड़ पर पुरोहित कॉलोनी में राजकीय शहरी आयुष्मान आरोग्य मंदिर (जनता क्लिनिक) का उद्घाटन किया। इस दौरान विधायक ने राजकीय उप जिला अस्पताल में विधायक कोष से निर्मित चार दवा वितरण केंद्रों का उद्घाटन किया गया। इस दौरान विधायक ने कहा कि बानसूर शहर में गुरुवार को आयुष्मान आरोग्य मंदिर का उद्घाटन किया गया है। इसमें शहर के लोगों को अच्छा लाभ मिलेगा और उप जिला अस्पताल में मरीजों का भार कम होगा। उन्होंने बताया कि कस्बे के नारायणपुर रोड़ पर यह जनता क्लिनिक खोला गया है जिसमें 20 प्रकार की जांच और 150 प्रकार की दवाइयां उपलब्ध रहेगी और नर्सिंग स्टाफ उपलब्ध रहेगा। उन्होंने कहा कि अभी दो और जनता क्लिनिक प्रस्तावित है। जिनमें एक और बानसूर में और एक नारायणपुर में खुलेगा। भाजपा सरकार लगातार विकास के कार्य कर रही। चाहे वह जनता के स्वास्थ्य का मामला हो, सड़कों का मामला हो। आज बानसूर विधानसभा में आज करीब 150 करोड़ रूपये की लागत से सड़कों का निर्माण कार्य चल रहा है ।मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा लगातार विकास पर जोर दे रहे है जिससे राजस्थान का सर्वांगीण विकास हो सके और लोगों का अच्छा लाभ मिल सके। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री भैरोसिंह शेखावत की पुण्यतिथि पर उनकी याद करते हुए कहा कि वो एक ऐसे व्यक्ति थे जिन्होंने अंत्योदय योजना लागू कर, गरीब की गणेश जी मानकर अंतिम छोर के व्यक्ति के घर तक अनाज पहुंचाने का काम किया।
इस दौरान विधायक देवीसिंह शेखावत ने उप जिला अस्पताल में विधायक कोष ने निर्मित चार दवा वितरण केंद्रों का उद्घाटन किया। इस दौरान सीएमएचओ डॉ .आशीष शेखावत, उप जिला अस्पताल प्रभारी डॉ. राजेश यादव , एसडीएम अनुराग हरित, शाधिकांत बोहरा,डॉ. बाबूलाल वर्मा, विजय कुमावत,भाजपा नेता नितिन यादव सहित डॉक्टरों की टीम और नर्सिंग स्टाफ मौजूद रहा।

टैंट के गोदाम में लगी आग, लाखों रूपये का सामान जला, तीन दमकल ने आग पर काबू पाया

मरुधर विशेष

बानसूर सुरेश कुमार सैनी बानसूर ।नारायणपुर में अलवर बाईपास पर गुरुवार की सुबह एक टैंट के गोदाम में भीषण आग लग गई। हालांकि आग लगने के कारणों का खुलासा नहीं हो पाया है। आग का पता आसपास के लोगों को लगा तो टैंट मालिक को सूचना दी गई। सूचना के बाद दमकल विभाग को सूचना दी गई। सूचना पर दमकल की कोटपुतली, विराटनगर और बानसूर से तीन गाड़िया मौके पर पहुंची और करीब तीन घण्टे में आग पर काबू पाया गया। लेकिन जब तक आग से गोदाम में रखा हुआ पूरा टैंट का सामान जलकर राख हो गया।
जानकारी के अनुसार अलवर बाईपास पर टैंट हाउस का गोदाम बना हुआ है। जिसमें गुरुवार की सुबह अज्ञात कारणों से आग लगी। जब ग्रामीणों ने गोदाम से धुंआ उठता देखा तो इसकी सूचना टैंट मालिक को दी गई। देखते ही देखते आग ने भयानक रूप धारण कर लिया जिससे आसपास के इलाको में अफरातफरी के माहौल हो गया। घटना की सूचना पर तीन दमकल मौके पर पहुंची तीन घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। टैंट मालिक ने बताया कि गोदाम में लाखों रूपये का सामान भरा हुआ था जो पूरी तरह जलकर राख हो गया। उन्होंने बताया कि गोदाम में बिजली कनेक्शन भी नहीं था। आग के कारणों का अभी तक खुलासा नहीं हो पाया है।
थाना प्रभारी ओमप्रकाश मीणा ने बताया कि गुरुवार की सुबह सूचना मिली कि अलवर बाईपास पर एक टैंट के गोदाम में आग लग गई। उन्होंने बताया कि टैंट का गोदाम राजेंद्र छिपी का था।सूचना पर जाब्ते के साथ मौके पर पहुंचे और दमकल की सहायता से आग पर काबू पाया गया। हालांकि अभी तक आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है।

नोहर न्यायालय परिसर में नव निर्मित भवन का ई-लोकार्पण, न्यायिक कार्यों में गति व सुविधा की दिशा में एक सशक्त कदम

मरुधर विशेष

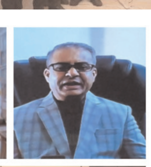

हनुमानगढ़ (प्रभु राम) नोहर न्यायालय परिसर में नव निर्मित भवन का ई-लोकार्पण न्यायाधिपति श्री मनोज कुमार गर्ग एवं न्यायाधिपति श्री फरज़न्द अली (संरक्षक न्यायाधिपति, हनुमानगढ़) द्वारा किया गया।
इस अवसर पर जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री तनवीर चौधरी ने मंचस्थ अतिथियों का अभिनंदन किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए न्यायाधिपतिगण ने नव निर्मित भवन को न्यायिक प्रणाली के लिए एक सशक्त संसाधन बताते हुए कहा कि इससे न्यायिक अधिकारियों व कर्मचारियों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी और कार्यों में गति आएगी।
अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश सं. 01 नोहर श्रीमती कुमकुम ने कार्यक्रम के अंत में अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित किया। श्री चौधरी ने जानकारी दी कि 15 मई 2025 से सभी न्यायिक कार्य नवनिर्मित भवन से संचालित होंगे।
इस अवसर पर हनुमानगढ़ न्याय क्षेत्र के सभी न्यायिक अधिकारी, कर्मचारी, तकनीकी टीम तथा आरएसआरडीसी के अधिकारीगण भी उपस्थित रहे।

जिला कलक्टर की बहज में रात्रि चौपाल आयोजित

माननीय मुख्यमंत्री की भावना के अनुरूप परिवेदनाओं का निस्तारण कर आमजन को पहुंचाएं राहत-डीएम

मरुधर विशेष

संवाददाता सलीम खान डीग, जिला कलक्टर उत्सव कौशल की अध्यक्षता में गुरूवार को पंचायत समिति डीग की ग्राम पंचायत बहज में रात्रि चौपाल आयोजित की गई। राजीव गांधी सेवा केंद्र में आयोजित रात्रि चौपाल में बडी संख्या में ग्रामीण परिवेदनाएं लेकर उपस्थित हुए। जिला कलक्टर ने एक-एक कर आत्मीयता पूर्वक ग्रामवासियों की परिवेदनाओं को सुना तथा मौके पर उपस्थित अधिकारियों से तथ्यात्मक जानकारी लेकर नियमानुसार शीघ्रतापूर्वक निस्तारण के निर्देश दिए।

विभागीय योजनाओं की दी जानकारी

रात्रि चौपाल में मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना, निःशुल्क दवा योजना, मुख्यमंत्री लाडो प्रोत्साहन योजना, मुख्यमंत्री वृद्धावस्था पेंशन योजना, एकल नारी पेंशन योजना, दिव्यांग पेंशन योजना की विस्तृत जानकारी दी। इसी प्रकार कृषि विभाग, पंचायती राज विभाग, विद्युत विभाग, रसद विभाग, शिक्षा विभाग सहित समस्त विभागीय अधिकारियों ने योजनाओं की जानकारी दी। इस दौरान जिला कलक्टर उत्सव कौशल ने उपस्थित आमजन से राज्य सरकार द्वारा संचालित योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील की।

यह आई परिवेदनाएं

चंबल की सुचारू सप्लाई देने, पालनहार योजना के तहत लाभ दिलाने, चंबल पाइपलाइन में अवैध कनेक्शन हटाने, पीएम श्री सीला जोशी विद्यालय में बायो साइंस फैकल्टी लगाने, विद्युत सेवाएं दुरुस्त करने, बहज से इकलहरा रास्ता ठीक करने, किसान सम्मान निधि योजना का लाभ देने, खाद्य सुरक्षा योजना में लाभान्वित करने, पेंशन दिलवाने, पानी का बिल बंद करने, तालाब का पानी खेतों में जाने से रोकने, पशु आश्रय निर्माण, सरकारी बोर चालू करने, सरकारी भूमि से अतिक्रमण हटाने सहित अन्य प्रकरण दर्ज किए गए। इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी मोहन सिंह, तहसीलदार नितेश गोयल, विकास अधिकारी जतन सिंह, सीएमएचओ डॉ विजय सिंघल, जिला परिवीक्षा एवं समाज कल्याण अधिकारी कुलदीप सिंह सहित समस्त जिला स्तरीय अधिकारी गण मौजूद रहें।

तहसीलदार द्वारा अवरूद्ध कराये गये रास्ते को पुनः किया शुरू
रातों रात खनन व क्रेशर माफिया ने जबरन खोला रास्ता

ग्रामीणों ने जिला कलक्टर को करवाया अवगत, कलक्टर ने शीघ्र कार्यवाही का दिया आश्वासन

मरुधर विशेष

कोटपूतली, निकटवर्ती ग्राम शुक्लावास में मन्दिर भूमि व चारागाह भूमि से होकर नदी क्षेत्र में अवैध रूप से निकाले गये रास्ते को तहसीलदार रामधन गुर्जर द्वारा मय पुलिस जाप्ते के विगत 13 मई को अवरूद्ध कराया गया था। उसी रात्रि खनन व क्रेशर माफिया ने दोगुनी ताकत से पोकलेन, डम्फरों से जबरन रास्ता खोल लिया। इसको लेकर आक्रोशित ग्रामीणों ने गुरूवार को सामाजिक कार्यकर्ता राधेश्याम शुक्लावास के नेतृत्व में जिला कलक्टर की जनसुनवाई में पहुंचकर जिला कलक्टर कल्पना अग्रवाल को विस्तार से अवगत करवाया। जिस पर जिला कलक्टर ने शीघ्र कार्यवाही का आश्वासन दिया। सामाजिक कार्यकर्ता राधेश्याम शुक्लावास ने बताया कि ग्राम पंचायत शुक्लावास की मन्दिर भूमि से क्रेशर माफिया द्वारा जबरन एवं अवैध रूप से रास्ता पुनः निकाल लिया गया है। जिसका उपयोग खनन सामग्री के परिवहन हेतु किया जा रहा है। यह कार्य रातों-रात किया गया है, जो पूर्णतः गैर कानूनी है। उल्लेखनीय है कि विगत 13 मई को तहसीलदार कोटपूतली द्वारा पुलिस जाप्ता सहित मौके पर पहुंचकर उक्त अवैध रास्ते को हटाया गया था। इसके बावजूद संबंधित लोगों ने दोबारा अवैध गतिविधि को अंजाम देते हुये बाहुबल से उसी रात प्रशासन द्वारा अवरूद्ध किये रास्तों को पुनः बना लिया है। उक्त भूमि ग्राम पंचायत की मन्दिर भूमि व चारागाह भूमि है जो ग्रामवासियों एवं मवेशियों की सामूहिक संपत्ति है। इस पर अवैध कब्जा एवं रास्ता निकालना ना केवल नियमों के विरुद्ध है बल्कि यह ग्रामीण हितों के साथ भी अन्याय है। ग्रामीणों ने अनुरोध किया कि इस गंभीर प्रकरण में त्वरित संज्ञान लेते हुये संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध उचित कार्यवाही की जायें एवं मन्दिर भूमि व चारागाह भूमि की सुरक्षा सुनिश्चित की जायें। जिस पर जिला कलक्टर ने शीघ्र कार्यवाही किये जाने का आश्वासन दिया। जनसुनवाई में एडीएम ओमप्रकाश सहारण, एसडीएम बृजेश चौधरी, तहसीलदार रामधन गुर्जर सहित पुलिस, माइनिंग विभाग व अन्य विभागों के अधिकारी भी मौजूद रहे। इस दौरान दलीप पहलवान, रंगलाल आर्य, सतवीर यादव, ग्यारसी लाल आर्य, रोहिताश यादव, सुरेश जाजडिया सहित दर्जनों ग्रामीण मौजूद थे।

ट्रेन की चपेट में आने एक एक युवती की हुई मौत

मरुधर विशेष

खेड़ली (दिनेश लेखी)। कस्बे के घोषराणा के समीप दांतिया पुलिया के पास एक युवती ने ट्रेन के आगे कूदकर खुदकुशी कर ली जिससे युवती की मौत हो गयी। जानकारी के अनुसार 15 मई गुरुवार सुबह करीब 11:30 बजे खेड़ली क्षेत्र के घोसराना के समीप दांतिया पुलिया के पास एक युवती ने ट्रेन के आगे कूदकर जान दे दी युवती लखनऊ जोधपुर सुपरफास्ट ट्रेन के आगे कूदी थी जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गयी। घटना को देख आसपास के लोग इकट्ठा हुए। सूचना खेड़ली आरपीएफ व स्थानीय पुलिस को दी सूचना पर खेड़ली आरपीएफ व स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और युवती की पहचान में जुटीं। मृतक युवती की पहचान अमीशा कुमारी मीणा पुत्री जयराम मीणा निवासी भैरुवास के रुप में हुई ।मौके पर पहुंची खेड़ली पुलिस मृतक युवती के शव को एम्बुलेंस की सहायता से खेडली उप जिला अस्पताल लेकर पहुंची और पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी में रखवाया जहां सूचना परिजनों को दी गई। सूचना मिलते ही मृतक युक्ति के परिजन अस्पताल पहुंचे। जहां चिकित्सकों द्वारा परिजनों के पहुंचने के बाद पुलिस द्वारा पंचनामा तैयार कर पोस्टमार्टम करवाया गया। परिजनों ने बताया कि अमीशा की मां बीमार थी जिसे दिखाने के लिए वह अलवर गये हुए थे यह घर पर थी जो की सुबह नौ बजे घर से निकली थी जिसके बाद मौत की सूचना मिली।फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मरुधरहिंद 24 न्यूज़ प्राइवेट लिमिटेड के लिए महारानी प्रिन्टर्स 17 वैष्णोदेवी नगर कालवाड़ रोड़ जयपुर से मुद्रित,। मो. 9653906665, , (राजस्थान संपादक विशाल यादव 8875020583) (राजस्थान सहसंपादक सुनील कुमार 98878 77947) 7014373732